एम.ए.पूर्व इतिहास (M.A. Previous History)

प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर (First & Second Semester)

सत्र 2022–24 (Session 2022-24)

(जुलाई 2022 से प्रारंभ)

टीप :–तीन अनिवार्य प्रश्न पत्रों के अतिरिक्त परीक्षार्थियों को कोई एक वैकल्पिक प्रश्न पत्र का चयन करना होगा। प्रत्येक प्रश्न पत्र 100–100 अंकों का होगा। 100 अंकों में 80 अंक सैद्धांतिक एवं 20 अंक आंतरिक मूल्यांकन के होंगे। सभी प्रश्न पत्रों के 5–5 क्रेडिट हैं।

प्रथम सेमेस्टर (First semester)

प्रश्न पत्र	प्रश्न पत्र का नाम	पेपर कोड	प्रोग्राम कोड	पूर्णांक	सैद्धांतिक	आंतरिक मूल्यांकन
प्रथम I	इतिहास पद्धति (अनिवार्य) Historiography (Compulsory)	M.A.HIS-020101	M.A.HIS-0201	100	80	20
द्वितीय II	आधुनिक विश्व 1800–1920 ई. (अनिवार्य) Modern world 1800-1920 A.D. (Compulsory)	M.A.HIS-020102	M.A.HIS-0201	100	80	20
तृतीय III	प्राचीन एवं मध्यकालीन छत्तीसगढ़ (अनिवार्य) Ancient and Medieval Chhattisgarh (Compulsory)	M.A.HIS-020103	M.A.HIS-0201	100	80	20
चतुर्थ IV	ग्रेट ब्रिटेन का इतिहास 1815–1885 ई. (वैकल्पिक–अ) History of Great Britain 1815-1885A.D. (Optional-A)	M.A.HIS-020104	M.A.HIS-0201	100	80	20
चतुर्थ IV	भारतीय इतिहास में नारी– प्राचीन एवं मध्यकालीन (वैकल्पिक–ब) Women in Indian History in Ancient & Medieval Period (Optional-B)	M.A.HIS-020105	M.A.HIS-0201	100	80	20

14.7.22 14.7.22 14.7.2022

द्वितीय सेमेस्टर (Second semester)

प्रश्न पत्र	प्रश्न पत्र का नाम	पेपर कोड	प्रो.कोड	पूर्णांक	सैद्धांतिक	आंतरिक मूल्यांकन
पंचम V	इतिहास लेखन (अनिवार्य) Historigraphy (Compulsory)	M.A.HIS-020106	M.A.HIS-0201	100	80	20
षष्ठम VI	समकालीन विश्व 1920–2000 ई. (अनिवार्य) Contemporary world 1920-2000 A.D. (Compulsory)	M.A.HIS-020107	M.A.HIS-0201	100	80	20
सप्तम VII	आधुनिक छत्तीसगढ़ (अनिवार्य) Modern Chhattisgarh (Compulsory)	M.A.HIS-020108	M.A.HIS-0201	100	80	20
अष्टम VIII	आधुनिक इंग्लैण्ड 1885–1956 ई. (वैकल्पिक–अ) Modern England 1885-1956A.D. (Optional-A)	M.A.HIS-020109	M.A.HIS-0201	100	80	20
अष्टम VIII	आधुनिक भारत में नारी (वैकल्पिक–ब) Women in Modern India (Optional-B)	M.A.HIS-020110	M.A.HIS-0201	100	80	20

टीप –उपरोक्त वैकल्पिक प्रश्न पत्रों अ एवं ब में से कोई एक का चयन करना होगा।

कार्यक्रम के परिणाम

इतिहास हमें दुनिया की बेहतर समझ विकसित करने में मदद करता है। यह समझ बिना आप अपने जीवन को आधार बनाने के लिए एक ढांचा नहीं बना सकते इतिहास हमें इस बात का विस्तृत चित्र प्रस्तुत करता है कि कैसे समाज प्रौद्योगिकी और सरकार ने बहुत पहले काम किया ताकि हम बेहतर तरीके से समझ सकें कि कैसे यह अब काम करता है।

14.7.22 14.7.22 14.7.22

सत्र 2022–24 (जुलाई 2022 से प्रारंभ)

एम.ए.पूर्व इतिहास, प्रथम सेमेस्टर (M.A.Previous History, First Semester)

प्रथम–प्रश्न पत्र (अनिवार्य) (First Paper- Compulsory)

इतिहास पद्धति (Historiography)

(पेपर कोड–M.A.HIS-020101) (Prog. Code - M.A.HIS-0201)

इकाई – 1

1. इतिहास का अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप
2. इतिहास का क्षेत्र विस्तार
3. इतिहास विज्ञान एवं कला
4. इतिहास के प्रकार

इकाई – 2

5. इतिहास का अन्य सभी सामाजिक विज्ञान विषयों के साथ संबंध
6. इतिहास में तथ्य एवं तथ्यों की व्याख्या
7. इतिहास परक अवधारनाएँ
8. इतिहास की उपयोगिता, अध्ययन एवं महत्व

इकाई – 3

9. इतिहास के उपकरण–काल,स्थान,घटना,मानव
10. इतिहास में कारण एवं नियतिवाद
11. इतिहास में वस्तुनिष्ठता
12. इतिहास में पूर्वाग्रह

इकाई – 4

13. इतिहास का चक्रवादी सिद्धांत
14. इतिहास का समाज शास्त्रीय सिद्धांत
15. इतिहास का आदर्शवादी सिद्धांत
16. इतिहास का तुलनात्मक सिद्धांत

इकाई – 5

17. इतिहास का आलोचनात्मक सिद्धांत
18. इतिहास का भौतिकवादी सिद्धांत
19. इतिहास का सापेक्षवादी सिद्धांत
20. इतिहासवाद

टीप :–जोड़ा गया (संशोधन) –इकाई 1.1– इतिहास का स्वरूप 1.2– इतिहास का क्षेत्र ,विस्तार 2.6– इतिहास में तथ्य एवं तथ्यों की व्याख्या , 2.7– इतिहास परक अवधारणएं 2.8– इतिहास की उपयोगिता, अध्ययन एवं महत्व।

समायोजित – 2.5– इतिहास का संबंध –भूगोल, राजनीति शास्त्र, अर्थशास्त्र, समाजशास्त्र

14.7.22 14.7.22 14.7.2022

संदर्भ ग्रंथ :

(1) झारखण्ड चौबे – इतिहास दर्शन

(2) के.एल.खुराना एवं आर.के.बंसल – इतिहास लेखन, धारणाएं तथा पद्धतियां

(3) परमानन्द सिंह – इतिहास दर्शन

(4) राधेशरण – इतिहास पद्धति और इतिहास लेखन

(5) गोविन्द चन्द्रपांडे – इतिहास स्वरूप एवं सिद्धांत

(6) ब्रजेश कुमार श्रीवास्तव – इतिहास लेखन : अवधारणा, विधाएं एवं साधन

(7) E.H.Carr - What is History

(8) R.G. Collingwood - The Idea of History

(9) बुद्ध प्रकाश – इतिहास दर्शन

(10) बुद्ध प्रकाश – इतिहास दर्शन उद्देश्य एवं विधि

(11) मानिक लाल गुप्ता – इतिहास–स्वरूप, अवधारणाएं एवं उपयोगिता

(12) रामकुमार बेहार एवं ऋषिराज पांडेय – इतिहास पद्धति एवं इतिहास लेखन

(13) कौलेश्वर राय – इतिहास दर्शन

(14) Erich Kahler - The Meaning of History

(15) H.S. Commager - History purpose and Methods

(16) सत्यनारायण दुबे शरतेन्दु – इतिहास दर्शन (चिंतन) एवं लेखन

कार्यकम परिणाम

इतिहास लेखन कई कारणों से महत्वपूर्ण है। सबसे पहले यह हमारी मदद करता है समझें कि समय के साथ ऐतिहासिक घटनाओं की इतनी अलग व्याख्या क्यों की गई है। दूसरे शब्दों में इतिहासलेखन हमें न केवल स्वयं इतिहास की जांच करने में मदद करता है, बल्कि व्यापक अंतर्निहित विशेषताएं जो इतिहास की रिकॉर्डिंग को ही आकार देती हैं। **इस पाठ्यकम में इतिहास की अनेक पहलुओं का अध्ययन किया जा सकेगा**

14-7-22 14.7.22, 14-7-20

सत्र 2022–24 (जुलाई 2022से प्रारंभ)

एम.ए.पूर्व इतिहास, प्रथम सेमेस्टर (M.A.Previous History, First Semester,)

द्वितीय–प्रश्न पत्र (अनिवार्य) (Second- Paper,Compulsory)

आधुनिक विश्व 1800–1920 ई. (Modern World 1800-1920 A.D.)

(पेपर कोड– M.A.HIS-020102) (Prog. Code - M.A.HIS-0201)

इकाई – 1

1. नवीन सम्राज्यवाद
2. पूँजीवाद का उदय एवं विकास
3. उदारवाद
4. सामाजवाद

इकाई – 2

5. बिस्मार्क की आंतरिक एवं विदेश नीति
6. कैसर विलियम द्वितीय की विदेश नीति
7. जापान में मेइजी पुनर्स्थापना एवं आधुनिकीकरण
8. इटली 1871 से 1914 ई. तक

इकाई – 3

9. 1900 –1910 तक अन्तराष्ट्रीय सधियाँ
10. रूस जापान युद्ध
11. चीनी क्रांन्ति 1911
12. पूर्वी समस्या – स्वरूप एवं बर्लिन कांग्रेस,

इकाई –4

13. पूर्वी समस्या युवा तुर्क आंदोलन एवं बाल्कान युद्ध
14. प्रथम विश्व युद्ध कारण एवं घटनाएँ
15. प्रथम विश्व परिणाम
16. . पेरिस शॉति संधियॉ

इकाई – 5

17. 1917 की रूसी क्राँन्ति
18. लेनिन एवं उनकी नीतियॉ तथा उपलब्धियॉ
19. राष्ट्रसंघ संगठन
20. संयुक्त राज्य आमेरिका का औद्योगिक विकास।

टीप :– जोड़ा गया (संशोधन) इकाई 1.1– नवीन सम्राज्यवाद, 1.2– पूँजीवाद का उदय एवं विकास, 1.3– उदारवाद 1.4– सामाजवाद, 2.5– कैसर विलियम द्वितीय की विदेश नीति, 2.7– जापान में मेईजी पुर्नस्थापना एवं आधुनिकीकरण, 2.8– इटली 1871 से 1914 ई. तक, 3.10– रूस जापान युद्ध,

14.7.22 14.7.22 14.7.22

3.11– चीनी कांन्ति 1911, 5.17– 1917 की रूसी क्रॉन्ति, 5.18– लेनिन एवं उनकी नीतियॉ तथा उपलब्धियॉ, 5.20– सयुक्त राज्य आमेरिका का औद्योगिक विकास।

समायोजन :– इकाई 1.1– विश्व में पूंजीवाद के विकास की अवधारणा 1.2.– साम्राज्यवाद का विकास–इंग्लैंड और फ्रांस में, 1.3.– साम्राज्यवाद का विकास–जर्मनी और जापान में, 1.4.– इंग्लैंड में उदारवाद का विकास, 4.4– बोल्शेविक क्रांति, 5.18– राष्ट्रसंध की उपलब्धियां एवं असफलताएं

संदर्भ ग्रंथ :

(1) दीनानाथ वर्मा – आधुनिक विश्व का इतिहास
(2) के.एल.खुराना एवं शर्मा – विश्व का इतिहास
(3) बिनाके – सुदूरपूर्व का इतिहास
(4) H.G.Wells - World History
(5) Moon & Parker - Imperialism & World Politics
(6) मथुरालाल शर्मा – आधुनिक यूरोप
(7) कालूराम शर्मा – आधुनिक विश्व का इतिहास
(8) केटेलबी – आधुनिक यूरोप (1815 से 1919)
(9) देवेन्द्र सिंह चौहान – आधुनिक यूरोप (1815 से 1919)
(10) सत्यकेतु विद्यालंकार – एशिया का इतिहास
(11) जार्ज बर्नाद्सकी – रूस का इतिहास
(12) B.V. Rao - History of Modern world
(13) D.N.Ghosh - The History of Europe
(14) B.R.Gokhale - Modern Europe
(15) डॉ.मथुरालाल शर्मा – आधुनिक विश्व
(16) विपिन बिहारी सिन्हा – आधुनिक विश्व
(17) दीनानाथ वर्मा एवं शिवकुमार सिंह – विश्व इतिहास का सर्वेक्षण
(18) जैन एवं माथुर – आधुनिक विश्व
(19) डॉ.एस.आर. वर्मा – आधुनिक विश्व का इतिहास
(20) मानिक लाल गुप्ता – विश्व का इतिहास
(21) इंदिरा अर्जुन देव – समकालीन विश्व का इतिहास (1890–2008)
(22) बी.एन. लुणिया – आधुनिक पाश्चात्य इतिहास की प्रमुख धाराएं (भाग–2)
(23) कौलेश्वर राय – आधुनिक एशिया (1839–1949)
(24) कौलेश्वर राय – आधुनिक यूरोप (1789–1945)
(25) बृजेश कुमार श्रीवास्तव – विश्व इतिहास की प्रमुख धाराएं
(26) बालकृष्ण पंजाबी – पाश्चात्य इतिहास की धाराएं

कार्यकम परिणाम

20 वीं 21 वीं सदी की दुनिया में उन घटनाओं की एक श्रृंखला का प्रभुत्व था, **जिन्होंने** विश्व इतिहास में महत्वपूर्ण परिवर्तन हुए स्पेनिश फ्लू महामारी प्रथम विश्व **युद्ध** और द्वितीय विश्व युद्ध, परमाणु हथियार परमाणु शक्ति और अंतरिक्ष अन्वेषण राष्ट्रवाद और उपनिवेशवाद, शीत युद्ध और शीत युद्ध के बाद ~~युद्ध~~ संघर्ष **हुआ, इन घटनाओं का अध्ययन इस पाठ्यकम में किया जायेगा।**

14.7.22 14.7.22 14.7.2022

सत्र 2022–24 (जुलाई 2022 से प्रारंभ)

एम.ए.पूर्व इतिहास, प्रथम सेमेस्टर (M.A. Previous History, 1st Semester)
तृतीय–प्रश्न पत्र,(अनिवार्य) (Third Paper- Compulsory)
प्राचीन एवं मध्यकालीन छत्तीसगढ़ (Ancient & Medieval Chhattisgarh)
(पेपर कोड– M.A.HIS-020103) (Prog. Code - M.A.HIS-0201)

इकाई – 1

1. छत्तीसगढ़ का परिचय, नामकरण एवं भौगोलिक स्थिति
2. छत्तीसगढ़ का जनजीवन
3. प्रागैतिहासिक कालीन छत्तीसगढ़
4. वैदिक कालीन एवं महाकाव्य कालीन छत्तीसगढ़

इकाई – 2

5. छत्तीसगढ़ मौर्यकालीन एवं गुप्तकालीन
6. छत्तीसगढ़ में सातवाहनों का प्रभाव
7. क्षेत्रीय राजवंश–नलवंश, राजर्षितुल्य कुल वंश, शरभपुरीय वंश
8. पाण्डु वंश, छिन्दकनाग वंश, फणिनाग वंश सोमवंश

इकाई – 3

9. छत्तीसगढ़ में कल्चुरि वंश-रत्नदेव से मोहन सिंह तक
10. कल्चुरि कालीन शासन व्यवस्था
11. कल्चुरि कालीन सामाजिक एवं आर्थिक दशा
12. कल्चुरि कालीन स्थापत्य एवं सांस्कृतिक दशा

इकाई – 4

13. छत्तीसगढ़ में मराठा शासन – बिंबाजी एवं उनका प्रशासन
14. छत्तीसगढ़ में मराठों की सूबा शासन व्यवस्था
15 मराठा कालीन छत्तीसगढ़ की आर्थिक दशा
16. मराठा कालीन छत्तीसगढ़ की सामाजिक एवं सांस्कृतिक दशा

इकाई – 5

17. छत्तीसगढ़ में धार्मिक आस्थाएँ –शैव, वैष्णव,शक्त, जैन एवं बौद्ध
18. छत्तीसगढ़ में कबीर पंथ
19. छत्तीसगढ़ में प्रमुख जनजातियॉ।
20. छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति

टीप –संशोधन एवं परिवर्धन –इकाई 1.3.– प्रागैतिहासिक कालीन छत्तीसगढ़, 1.4–. वैदिक कालीन एवं महाकाव्य कालीन छत्तीसगढ़ 2. 8.– सोमवंश, 5.17– छत्तीसगढ़ में धार्मिक आस्थएँ –शैव, वैष्णव, शाक्त, जैन एवं बौद्ध, 5.18– छत्तीसगढ़ में कबीर पंथ, 5.19– छत्तीसगढ़ में प्रमुख जनजातियॉ, 5.20– छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति

समायोजन– इकाई 3.9– छत्तीसगढ़ में कल्चुरियों का आगमन, 5.17– रघुजी तृतीय , 5.20– ब्रिटिश नियंत्रण काल

14.7.22 14.7.22 14.7.22

संदर्भ ग्रंथ :

(1) प्यारेलाल गुप्त – प्राचीन छत्तीसगढ़

(2) पी.एल. मिश्र – दक्षिण कोशल का प्राचीन इतिहास

(3) पी.एल. मिश्र – मराठाकालीन छत्तीसगढ़

(4) भगवान सिंह वर्मा – छत्तीसगढ़ का इतिहास

(5) राम कुमार बेहार – छत्तीसगढ़ का इतिहास

(6) एल.एस. निगम – दक्षिण कोशल का इतिहास

(7) मदनलाल गुप्ता – छत्तीसगढ़ दिग्दर्शन भाग 1, भाग 2

(8) जे.आर. वार्ल्यानी एवं वासुदेव साहसी – छत्तीसगढ़ का राजनीतिक एवं सांस्कृतिक इतिहास

(9) सुरेश चंद्र शुक्ल – छत्तीसगढ़ का समग्र अध्ययन

(10) ऋषिराज पांडेय – छत्तीसगढ़ (दक्षिण कोशल के कल्चुरि)

(11) व्ही.व्ही. मिराशी – कल्चुरि नरेश और उनका काल

(12) शांता शुक्ला – छत्तीसगढ़ का सामाजिक एवं आर्थिक इतिहास

(13) डिश्वर नाथ खुटे – बस्तर की राजनीतिक एवं प्रशासनिक व्यवस्था (1854 से 1947 ई.)

(14) आभा रूपेन्द्र पाल एवं डिश्वर नाथ खुटे – बस्तरः राजनीतिक ,सामाजिक एवं सांस्कृतिक इतिहास

(15) सुरेश चंद्र शुक्ला एवं अर्चना शुक्ला – छत्तीसगढ़ समग्र

(16) दिनेश नंदिनी परिहार –दक्षिण कौशल का इतिहास

कार्यकम परिणाम

क्षेत्रीय इतिहास एक महत्वपूर्ण उपकरण है जिसके द्वारायह मानव जाति द्वारा की गई प्रगति को मापने के लिए संभव है क्षेत्रीय इतिहास छत्तीसगढ़ अधिक से अधिक लोकप्रिय होता जा रहा है क्योंकि इसमें इतिहास के विभिन्न पहलुओं का अध्ययन करने के लिए विभिन्न प्रकार के स्रोतों का उपयोग करने की क्षमता विरासत में मिली हैं इस पाठ्यकम में आधुनिक छत्तीसगढ़ राज्य के ब्रिटिश शासन का प्रभाव एवं राजनीतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक इतिहास का अध्ययन किया जायेगां

सत्र 2022–24 (जुलाई 2022 से प्रारंभ)

एम.ए.पूर्व इतिहास, प्रथम सेमेस्टर (M.A. Previous History,First Semester)

चतुर्थ–प्रश्न पत्र (वैकल्पिक–अ) (Fourth Paper, Optional - A)

ग्रेट ब्रिटेन का इतिहास (1815 से 1885 ई) (History of Great Britain 1815-1885A.D.)

(पेपर कोड–– M.A.HIS- 020104) (Prog. Code – M.A.HIS- 0201)

इकाई – 1

1. 1815 से 1822 तक आंतरिक समस्याएं
2. 1822 से 1830 तक इंग्लैंड की आंतरिक स्थिति
3. कैसलरे की विदेश नीति
4. कैनिंग की विदेश नीति

इकाई – 2

5. ब्रिटेन में उदारवाद का उदय एवं विकास
6. 1832 का सुधार अधिनियम
7. चार्टिस्ट आंदोलन
8. 1830 से 1841 तक अन्य सुधार

इकाई – 3

9. ग्रेट ब्रिटेन की विदेश नीति (1830–1841)
10. आयरिश समस्या एवं ब्रिटिश सरकार की नीति
11. सर राबर्ट पील
12. लार्ड जॉन रसेल

इकाई – 4

13. लार्ड पामर्स्टन
14. 1867 का सुधार अधिनियम
15. बेंजामिन डिजरैली –गृह एवं विदेश नीति
16. नवीन टोरीवाद

इकाई – 5

17. ग्रेट ब्रिटेन और मुक्त व्यापार
18. ग्रेट ब्रिटेन और पूर्वी समस्या (1828–1878)
19. ब्रिटिश साम्राज्यवाद (1880 तक)
20. 1884 तथा 1885 के संसदीय सुधार

टीपः– संशोधनः– इकाई 2.5– ब्रिटेन में उदारवाद का उदय एवं विकास, 3.10– आयरिश समस्या एवं ब्रिटिश सरकार की नीति, 4.15– बेंजामिन डिजरैली –गृह एवं विदेश नीति

समायोजन –निरंक

14.7.22 14.7.22 14.7.22

संदर्भ ग्रंथ :

(1) एल.पी. शर्मा – इंग्लैंड का इतिहास

(2) विद्याधर महाजन – इंग्लैंड का इतिहास

(3) J.A.R.Marriott - Modern England

(4) G.M.Trevelyan - Social History of England

(5) Ramsay Muir - History of England

(6) बिपीन बिहारी सिन्हा – आधुनिक ग्रेट ब्रिटेन

(7) मेरियट – आधुनिक इंग्लैंड का इतिहास

(8) रामकिशोर पाण्डेय – आधुनिक इंग्लैंड का इतिहास

(9) Maitland - Constitutional History of England

कार्यक्रम परिणाम

ग्रेट ब्रिटेन विश्व का एक प्रमुख देश है जिसमें अपनी साम्राज्यवादी नीतियों से पूरे विश्व को प्रभावित किया है इस पाठ्यक्रम में 1815 से 1945 तक ब्रिटेन में हुए आंतरिक समस्याएँ तथा उनकी नीतियॉं संसदीय सुधार के साथ–साथ विदेश नीतियॉं और द्वितीय विश्वयुद्ध में उनका प्रभाव का अध्ययन किया जा सकेगा।

14.7.22

14.7.22.

14.7.22

2022–24 (जुलाई 2022से प्रारंभ)

एम.ए.पूर्व इतिहास ,प्रथम सेमेस्टर(M.A. Previous History ,First Semester)

चतुर्थ–प्रश्न पत्र (वैकल्पिक– ब) (Fourth Paper ,Optional - B)

भारतीय इतिहास में नारी–प्राचीन एवं मध्यकालीन

(Women in Indian History - Ancient & Medieval Period)

(पेपर कोड– M.A.HIS-020105) (Prog. Code – M.A.HIS-0201)

इकाई – 1

1. नारी अध्ययन की विचार धाराएं– उदारवादी, मार्क्सवादी, मनोवैज्ञानिक
2. नारी अध्ययन संबंधी स्रोत–ऐतिहासिक स्त्रोत
3. नारी अध्ययन की स्रोत-गैर अभिलेखागारीय
4. नारी अध्ययन का महत्व एवं उपयोगिता

इकाई – 2

5. वैदिक साहित्य एवं महाकाव्यों में नारी चित्रण
6. मौर्य एवं मौर्योत्तर काल में नारी की स्थिति
7. गुप्त एवं गुप्तोत्तर काल में नारी की स्थिति
8. राजपूत काल में नारी की स्थिति

इकाई – 3

9. बौद्ध धर्म में महिलाओं की स्थिति
10. जैन धर्म में महिलाओं की स्थिति
11. इस्लाम में महिलाओं की स्थिति
12. सिक्ख धर्म में महिलाओं की स्थिति

इकाई – 4

13. प्राचीन भारत में महिला शिक्षा
14. मध्यकालीन भारत में महिला शिक्षा
15. प्राचीन भारत में महिलाओं की वैधानिक एवं राजनैतिक स्थिति
16. मध्यकालीन भारत में महिलाओं की वैधानिक एवं राजनैतिक स्थिति

इकाई – 5

17. प्राचीन कालीन महत्वपूर्ण महिलाएँ – गार्गी, मैत्रयीं
18. मध्यकालीन एवं मराठा कालीन राजनीतिक महत्वपूर्ण महिलाएँ –रजिया, गुलबदन, नूरजहाँ,जीजाबाई, ताराबाई
19. भक्ति आंदोलन और महिलाएं
20. प्राचीन एवं मध्यकाल में छत्तीसगढ़ की महिलाएं

टीपः–संशोधन –इकाई 5.18– मध्यकालीन एवं मराठाकालीन राजनीतिकं महत्वपूर्ण महिलाएं जीजाबाई, ताराबाई , 5.20– प्राचीन एवं मध्यकाल में छत्तीसगढ़ की महिलाएं

समायोजन –5.20 मध्यकालीन मराठा राजनीति एवं महिलाएं – 5.18 में

14.7.22 14.7.22 14.7.22

संदर्भ ग्रंथ :

(1) कमलेश्वर प्रसाद – भारत का इतिहास खंड 1, 2, 3

(2) सुगम आनंद – भारतीय इतिहास में नारी

(3) के.सी.श्रीवास्तव – प्राचीन भारत का इतिहास तथा संस्कृति

(4) सुरेश चंद्र शुक्ला – भारतीय इतिहास में नारी

(5) रामधारी सिंह दिनकर – संस्कृति के चार अध्याय

(6) पुरी, दास, चोपड़ा – भारत का सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक इतिहास (भाग 1 एवं 2)

(7) प्रताप सिंह – आधुनिक भारत का सामाजिक, आर्थिक इतिहास

(8) राम शरण शर्मा – प्राचीन भारत

(9) सुधा गोस्वामी – भारत की चर्चित महिलाएं

(10) डॉ.एम.के. गिरि – द रोल एंड स्टेट्स ऑफ वीमन इन सिक्खिज्म

(11) राजपाल – वीमेन इन अरली मिडिवल नार्थ इंडिया

कार्यक्रम परिणाम

नारी अध्ययन भारतीय इतिहास का एक महत्वपूर्ण विषय है। इस पाठ्यक्रम से नारी अध्ययन से संबंधित स्रोत्रो, विभिन्न विचार धाराओं की जानकारी प्राप्त होगी इसमें प्राचीनकाल से लेकर मध्यकाल में महिलाओं की सामाजिक राजनैतिक स्थितियों का अध्ययन किया जायेगा।

14-7-22 14.7.22. 14.7.22

सत्र 2022–24 (जनवरी 2022 से प्रारंभ)

एम.ए.पूर्व इतिहास,द्वितीय सेमेस्टर (M.A. Previous History, Second Semester)

पंचम–प्रश्न पत्र,अनिवार्य (Fiveth- Paper, Compulsory)

इतिहास लेखन (Historiography)

(पेपर कोड– M.A.HIS-020106) (Prog. Code – M.A.HIS-0201)

इकाई – 1

1. यूनानी एवं रोमन इतिहास लेखन
2. चीनी इतिहास लेखन
3. मध्यकालीन यूरोपीय इतिहास लेखन
4 अरबी तथा परशियन (फारसी) इतिहास लेखन

इकाई – 2

5. प्राचीन भारत में इतिहास लेखन गुप्तकालीन
6. प्राचीन भारत में इतिहास लेखन गुप्तोरकालीन
7. मध्यकालीन भारतीय इतिहास लेखन–सल्तनत काल
8. मध्यकालीन भारतीय इतिहास लेखन–मुगल कालीन

इकाई – 3

9. भारतीय इतिहास की साम्राज्यवादी व्याख्या
10. भारतीय इतिहास की राष्ट्रवादी व्याख्या
11. भारतीय इतिहास की मार्क्सवादी व्याख्या
12. भारतीय इतिहास की सवालटर्न अथवा जनवादी व्याख्या

इकाई – 4

13. भारतीय इतिहास की विषय वस्तु–आर्थिक एवं राजनीतिक इतिहास
14. भारतीय इतिहास की विषय वस्तु–सामाजिक–सांस्कृतिक इतिहास
15. जातीय एवं जनजातीय इतिहास
16. क्षेत्रीय इतिहास लेखन

इकाई – 5

17. भारतीय इतिहास की विषय वस्तु–कृषक एवं श्रमिक
18. भारतीय इतिहास की विषय वस्तु–विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी
19. भारतीय इतिहास की विषय वस्तु–नारी
20. जनसंचार के माध्यम मे इतिहास की प्रस्तुति

संशोधन :–इकाई 2.5– प्राचीन भारत में इतिहास लेखन गुप्तकालीन 2.6– प्राचीन भारत में इतिहास लेखन गुप्तोत्तरकालीन, 4.13– भारतीय इतिहास की विषय वस्तु–आर्थिक एवं राजनीतिक इतिहास

14.7.22 14.7.22 14-7-22

विलोपित– इकाई–1.4– प्रबुद्धतावादी इतिहास लेखन गुप्तोत्तरकालीन

संदर्भ ग्रंथ :

(1) गोविन्द चन्द्र पांडे – इतिहास स्वरूप एवं सिद्धांत

(2) के.एल.खुराना, आर.के.बंसल – इतिहास–लेखन, धारणाएं तथा पद्धतियां

(3) राधेशरण – इतिहास पद्धतियां एवं इतिहास लेखन

(4) कौलेश्वर राय – इतिहास दर्शन

(5) कंवर बहादुर कौशिक – इतिहास दर्शन एवं भारतीय–इतिहास लेखन

(6) Gyanendra Pandey –Subaltern Studies

(7) ई. श्रीधरन –इतिहास लेख एक पाठ्य पुस्तक 500 ई.पू. से 2000 तक

(8) S.P.Sen - History & Historiography in Modern India

(9) Ranjit Guha - Subaltern Studies (All Volumes)

(10) बी.के. श्रीवास्तव – इतिहास के सिद्धांत स्वरूप एवं इतिहास लेखन

(11) हेरम्ब चतुर्वेदी – मध्यकालीन इतिहासकार

(12) R.C.Majumdar - Historiography of Modern India

(13) बी. शेख अली – हिस्ट्री इट्स थ्योरी एंड मेथड

(14) ए.आर. देसाई – भारतीय राष्ट्रवाद की सामाजिक पृष्ठभूमि

(15) D.N. Dhanagare - Peasant movements in India – (1920-1950)

कार्यक्रम परिणाम

इतिहास लेखन कई कारणों से महत्वपूर्ण हे। सबसे पहले यह हमारी मदद करता है कि समय के साथ ऐतिहासिक घटनाओं की इतनी अलग व्याख्या क्यो की गई है दूसरे शब्दों में इतिहास लेखन हमें न केवल स्वयं इतिहास की जांच करने में मदद करता है बल्कि व्यापक अंतर्निहित विशेषताएं जो इतिहास की रिकॉर्डिंग को ही आकार देती है । इस पाठ्यक्रम में यूनानी, रोम, चीनी तथा भारतीय इतिहास लेखन की व्याख्या तथा उनकी विषयवस्तु पर जानकारियॉ प्राप्त होगी।

14.7.22 14.7.22 14.7.2022

सत्र 2022–24 (जनवरी 2023 से प्रारंभ)

एम.ए.पूर्व इतिहास, द्वितीय सेमेस्टर (M.A. Previous History, Second Semester)

षष्ठम–प्रश्न पत्र (अनिवार्य) (Sixth Paper, Compulsory)

समकालीन विश्व 1920–2000ई.(Contemporary World 1920-2000 A.D.)

(पेपर कोड– M.A.HIS-020107) (Prog. Code M.A.HIS-0201)

इकाई – 1

1. राष्ट्र संघ की उपलब्धियॉ एवं असफलताएँ।
2. क्षतिपूर्ति एवं निःशस्त्रीकरण ।
3. 1929 की आर्थिक मंदी।
4. न्यू डील नीति।

इकाई – 2

5. इटली में फॉसीवाद – मुसोलिनी
6. जर्मनी में नाजीवाद – हिटलर
7. जापन में सैन्यवाद
8. साम्यवादी रूस

इकाई – 3

9. द्वितीय विश्वयुद्ध कारण, धटनायें एवं परिणाम
10. संयुक्त राष्ट्रसंघ, उद्देश्य संगठन
11. संयुक्त राष्ट्रसंध– उपलब्धियॉ एवं योगदान
12. निःशस्त्रीकरण की समस्या

इकाई – 4

13. चीन में साम्यवाद
14. हिन्द चीन एवं इंडोनिशिया में राष्ट्रीय आन्दोन
15. अरब राष्ट्रवाद
16. आधुनिक तुर्की

इकाई – 5

17. शीतयुद्ध – स्वरूप अन्तराष्ट्रीय संधियॉ एवं तनाव
18. सोवियत रूस का विघटन एवं एक ध्रुवीय विश्व
19. गुट निरपेक्ष आन्दोलन एवं भारत, पंचशील
20. अंतर्राष्ट्रीय समस्याएं– फिलिस्तीन, कोरिया एवं वियतनाम

टीपः–संशोधन – इकाई 1.1– राष्ट्र संघ की उपलब्धियॉ एवं असफलताएँ, 1.2– क्षतिपूर्ति एवं निःशस्त्रीकरण की समस्याएं, 1.3– 1929 की आर्थिक मंदी, 1.4.– न्यू डील नीति 2.5– इटली में फांसीवाद–मुसोलिनी, 2.6– जर्मनी में नाजीवाद– हिटलर, 2.8–साम्यवादी रूस,

समायोजन –इकाई 1.1–इटली में फासीवाद–उदय के कारण 1.3–जर्मनी में नाजीवाद का उदय–कारण, 1. 4.– हिटलर की गृह नीति 2.5–. हिटलर की विदेश नीति 3.12– चीन में साम्यवादी सरकार का अभ्युदय , 4.15.– साम्यवादी रूस का विघटन–कारण

14.7.22 14.7.2022 14.7.2022

संदर्भ ग्रंथ :

(1) दीनानाथ वर्मा – आधुनिक विश्व का इतिहास

(2) सत्यकेतु विद्यालंकार – एशिया का इतिहास

(3) के.एल.खुराना एवं शर्मा – बीसवीं शताब्दी का विश्व

(4) देवेन्द्र सिंह चौहान – समकालीन यूरोप

(5) S.P. Nanda - History of Modern World

(6) सुरेश चंद्र एवं शिवकुमार – आधुनिक विश्व का इतिहास

(7) कालू राम शर्मा – आधुनिक विश्व

(8) ई.एच.कार – दो विश्व युद्ध के बीच

(9) जैन एवं माथुर – विश्व का इतिहास

(10) D.G.E. Hall - South East Asia

(11) B.V.E. Rao - History of World

(12) Leyender - The Middle East

(13) A.C.Ray - Contemporary World since 1919

(14) P.K. Chhatterjee - Modern World

(15) D.C.Bhattacharya - International Relation in the 20th century

(16) अजय चंद्र बनर्जी – आधुनिक विश्व

(17) अर्जुन देव, इंदिरा अर्जुन देव – समकालीन विश्व का इतिहास (1890–2008)

(18) बी.एन.लुणिया – आधुनिक पाश्चात्य इतिहास की प्रमुख धाराएं (भाग–2)

(19) कौलेश्वर राय – आधुनिक यूरोप (1789–1945)

(20) Arjun Dev,Indira Arjun Dav – History of the World- Form the late 19th to the early 21st century

कार्यक्रम परिणाम

20 वीं एवं 21 वीं सदी की दुनिया में उन घटनाओं की श्रृंखला का प्रभुत्व था जिन्होंने विश्व इतिहास में कई महत्वपूर्ण परिवर्तन किए इस अवधि में स्पेनिश फ्लू महामारी, प्रथम विश्व युद्ध और द्वितीय विश्व युद्ध, परमाणु हथियार, परमाणु शक्ति और अंतरिक्ष अन्वेषण, राष्ट्रवाद और उपनिवेशवाद, शीत युद्ध के बाद संघर्ष इन घटनाओं का अध्ययन इस पाठ्यक्रम में किया जायेगा।

14-7-22 14-7-22 14-7-22

सत्र 2022–24 (जनवरी 2023 से प्रारंभ)
एम.ए.पूर्व इतिहास, द्वितीय सेमेस्टर (M.A. Previous History, Second Semester)
सप्तम–प्रश्न पत्र (अनिवार्य) (Seventh Paper ,Compulsory)
आधुनिक छत्तीसगढ़ (Modern Chhattisgarh)
(पेपर कोड M.A.HIS-020108) (Prog. Code - M.A.HIS-0201)

इकाई – 1

1. ब्रिटिश नियंत्रण काल 1818 से 1830
2. छत्तीसगढ़ में पुनः मराठा शासन एवं रघुजी तृतीय
3. ब्रिटिश सत्ता की स्थापना
4. ब्रिटिश कालीन प्रशासनिक व्यवस्था

इकाई – 2

5. ब्रिटिश कालीन छत्तीसगढ़ की सामाजिक, सांस्कृतिक दशा
6. ब्रिटिश कालीन छत्तीसगढ़ की आर्थिक दशा
7. छत्तीसगढ़ के रियासतों के प्रति ब्रिटिश नीति
8. छत्तीसगढ़ में सतनाम पंथ

इकाई – 3

9. छत्तीसगढ़ में 1857 का विद्रोह –वीर नारायण सिंह
10. बस्तर में आदिवासी विद्रोह
11 छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय आंदोलन 1920 तक
12. छत्तीसगढ़ में असहयोग आंदोलन

इकाई – 4

13. छत्तीसगढ़ में सविनय अवज्ञा आन्दोन
14 छत्तीसगढ़ में जंगल सत्याग्रह
15. छत्तीसगढ़ में व्यक्तिगत सत्याग्रह
16. छत्तीसगढ़ में भारत छोड़ो आंदोलन

इकाई – 5

17. छत्तीसगढ़ में किसान आन्दोन
18. छत्तीसगढ़ में श्रमिक आन्दोन
19. छत्तीसगढ़ की रियासतो का विलीनीकरण
20. छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण की पृष्ठभूमि

टीपः–संशोधन इकाई 1.1– ब्रिटिश नियंत्रण काल 1818 से 1830, 1.2– छत्तीसगढ़ में पुनः मराठा शासन एवं रघुजी तृतीय, 2.6–ब्रिटिश कालीन छत्तीसगढ़ की आर्थिक दशा, 2.8– छत्तीसगढ़ में सतनाम पंथ,

समायोजन 5.17– छत्तीसगढ़ में धार्मिक आस्थाएँ, शैव, वैष्णव, शाक्त, जैन एवं बौद्ध धर्म, 5.18 – छत्तीसगढ़ में कबीर पंथ, 5.19–छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति एम. ए. पूर्व I sem. में जोड़ा गया।

14.7.22 14.7.22

संदर्भ ग्रंथ :

(1) किशोर अग्रवाल – बीसवीं शताब्दी का छत्तीसगढ़

(2) किशोर अग्रवाल – स्वातंत्र्योत्तर छत्तीसगढ़

(3) अरविंद शर्मा – छत्तीसगढ़ का इतिहास

(4) तृषा शर्मा – छत्तीसगढ़ इतिहास, संस्कृति एवं परंपरा

(5) अशोक शुक्ला – छत्तीसगढ़ का राजनीतिक इतिहास

(6) भगवान सिंह वर्मा – छत्तीसगढ़ का इतिहास

(7) सुरेश चंद्र – छत्तीसगढ़ का समग्र इतिहास

(8) हीरालाल शुक्ला – छत्तीसगढ़ का इतिहास

(9) दिनेश कुमार राठौर – कांकेर का इतिहास

(10) ऋषिराज पांडेय – सारंगढ़ रियासत

(11) देवेश शर्मा – मध्यप्रांत में व्यक्तिगत सविनय अवज्ञा आन्दोलन अवज्ञा आन्दोलन

(12) रश्मि चौबे – राष्ट्रीय चेतना के विकास में छत्तीसगढ़ के साहित्यकारों का योगदान ''पंडित सुंदरलाल शर्मा के विशेष में''

(13) सुरेश चंद्र शुक्ला, एवं अर्चना शुक्ला – छत्तीसगढ़ की रियासतों का विलीनीकरण

(14) शैलेन्द्र सिंग – भारत के आदिवासी क्षेत्रों के सामन्तीय रियासतों एवं जमींदारियों में जनजागृति

(15) राधेश्याम पटेल – कबीर पंथ और छत्तीसगढ़ का सामाजिक विकास

(16) रीता पांडे – बिलासपुर जिले की भूराजस्व व्यवस्था 1861–1947

(17). डिश्वर नाथ खुटे – बस्तर की राजनीतिक एवं प्रशासनिक व्यवस्था (1854–1947)

(18). आभा रूपेन्द्र पाल एवं डिश्वर नाथ खुटे – बस्तर : राजनीतिक ,सामाजिक एवं सांस्कृतिक इतिहास

कार्यक्रम परिणाम

क्षेत्रीय इतिहास एक महत्वपूर्ण उपकरण है जिसके द्वारा मानव जाति द्वारा की गई प्रगति को मापने के लिए सीाव है क्षेत्रीय इतिहास छत्तीसगढ़ अधिक से अधिक लोकप्रिय होता जा रहा है, क्योंकि इसमें इतिहास के विभिन्न पहलुओं का अध्ययन करने के लिए विभिन्न प्रकार के स्रोतों को उपण्योग करने की क्षमता विरासत में मिली है। इस पाठ्यक्रम में आधुनिक छत्तीसगढ़ राज्य के ब्रिटिश शासन का प्रभाव एवं राजनीतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक इतिहास का अध्ययन किया जायेगा।

सत्र 2022–24 (जनवरी 2023 से प्रारंभ)

एम.ए.पूर्व इतिहास, द्वितीय सेमेस्टर (M.A.Previous History, Second Semester)
अष्टम–प्रश्न पत्र (वैकल्पिक– अ) (Eighth-Paper ,Optional - A)
आधुनिक इंग्लैंड (1885 से 1956 ई.तक) (Modern England 1885 – 1956A.D.)
(पेपर कोड M.A.HIS-020109 **)** (Prog. Code - M.A.HIS-0201)

इकाई – 1

1. ग्लैडस्टन – गृह नीति एवं आयरिश नीति
2. ग्लैडस्टन – विदेश नीति
3. सेलिसबरी – गृह नीति
4. सेलिसबरी – विदेश नीति

इकाई – 2

5. गौरवपूर्ण पृथकता की नीति 1822–1902
6. चेम्बरलेन का साम्राज्यवाद
7. 1911 का सुधार अधिनियम
8. इंग्लैंड की गृह नीति (1902–1914)

इकाई – 3

9. इंग्लैंड की विदेश नीति (1902–1914)
10. इंग्लैंड और पूर्वी समस्या (1878–1914)
11. प्रथम विश्व युद्ध में इंग्लैंड की भूमिका
12. दो विश्व युद्धों के बीच इंग्लैंड

इकाई – 4

13. विश्व आर्थिक मंदी और इंग्लैंड
14. अफ्रीका के विभाजन में इंग्लैंड की भूमिका
15. ग्रेट ब्रिटेन की गृह नीति (1919–1939)
16. ग्रेट ब्रिटेन की विदेश नीति (1919–1935)

इकाई – 5

17. चेम्बरलेन की तुष्टीकरण की नीति (1936–1939)
18. द्वितीय विश्व युद्ध में इंग्लैंड की भूमिका
19. द्वितीय विश्व युद्ध के पश्चात् इंग्लैंड की स्थिति
20. इंग्लैंड और शीत युद्ध

टीपः–संशोधनः–इकाई 2.5– गौरवपूर्ण पृथकता की नीति 1822–1902

समायोजित – इकाई 1.3–डिजरैली–विदेश नीति एम. ए. पूर्व प्रथम सेमेस्टर में

14-7-22 14-7-22 14-7-22

संदर्भ ग्रंथ :

(1) एल.पी.शर्मा – इंग्लैंड का इतिहास

(2) विद्याधर महाजन – इंग्लैंड का इतिहास

(3) J.A.R. Marriott - Modern England

(4) G.M. Trevelyan - Social History of England

(5) अरूण कुमार मित्तल – इंग्लैंड का इतिहास

(6) रमेश चंद्र सिन्हा – इंग्लैंड का इतिहास

(7) Ramsay Muir - History of England

कार्यक्रम परिणाम

ग्रेट ब्रिटेन विश्व का एक प्रमुख देश है जिसमें अपनी साम्राज्यवादी नीतियों से पूरे विश्व को प्रभावित किया है इस पाठ्यक्रम में 1885 से 1956 तक ब्रिटेन में हुए आंतरिक समस्याएँ तथा उनकी नीतियॉ संसदीय सुधार के साथ–साथ विदेश नीतियॉ और द्वितीय विश्वयुद्ध में उनका योगदान का अध्ययन किया जा सकेगा।

14.7.22

14-7-22

14.7.22

सत्र 2022–24 (जनवरी 2023 से प्रारंभ)

एम.ए.पूर्व इतिहास, द्वितीय सेमेस्टर (M.A.Previous History, Second Semester)

अष्टम–प्रश्न पत्र (वैकल्पिक–ब) (Eightth Paper,Optional - B)

आधुनिक भारत में नारी (Women in Modern India)

(पेपर कोड– M.A.HIS-020110) (Prog. Code - M.A.HIS-0201)

इकाई – 1

1. औपनिवेशिक काल में नारी शिक्षा
2. पुनर्जागरण आंदोलन और महिलाए – नारी उत्थान के प्रयास
3. नारी उत्थान के प्रयास छत्तीसगढ़ के संदर्भ में
4. उन्नीसवी एवं बीसवीं शताब्दी के नारी संगठन

इकाई – 2

5. भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन और महिलाएं, 1857 की क्रांति
6. भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन और महिलाएं, गांधीवादी आंदोलन
7. भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन और महिलाएं, क्रांतिकारी आंदोलन
8. भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन और महिलाए, आजाद हिंद फौज

इकाई – 3

9. स्वतंत्रता के पश्चात् राजनीति और महिलाएं – पंचायत
10. स्वतंत्रता के पश्चात् राजनीति और महिलाएं – विधानसभा से संसद तक
11. मताधिकार और महिलाएं
12. पंचवर्षीय योजनाएं और महिलाएं

इकाई – 4

13. भारतीय संविधान में महिलाओं की स्थिति
14. स्वतंत्रोत्तर भारत में महिलाओं की वैधानिक स्थिति
15. जनजातीय समाज में महिलाओं की स्थिति
16. महिलाओं के प्रति हिंसा एवं अपराध

इकाई – 5

17. महिलाएं – कला एवं साहित्य के क्षेत्र में
18. मानवाधिकार एवं महिलाएं
19. स्वतंत्रोत्तर भारत में महिला शिक्षा
20. काम काजी महिलाएं – स्वावलंबन एवं सशक्तिकरण

संशोधन– इकाई 1.3– नारी उत्थान के प्रयास छत्तीसगढ़ के संदर्भ में, 1.4– उन्नीसवी एवं बीसवीं शताब्दी के नारी संगठन (सम्मिलित किया गया)

14.7.22, 14.7.22

संदर्भ ग्रंथ :

(1) कमलेश्वर प्रसाद – भारत का इतिहास खंड 1, 2, 3

(2) सुगम आनंद – भारतीय इतिहास में नारी

(3) विपिन चंद्र – आजादी के बाद का भारत

(4) पुरी, दास, चोपड़ा – भारत का सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक इतिहास (खंड तीन)

(5) प्रताप सिंह – आधुनिक भारत का सामाजिक, आर्थिक इतिहास

(6) आनंद मूर्ति – भारतीय इतिहास में नारी

(7) गोपा जोशी – भारत में स्त्री असमानता

(8) नीतू केंग – इंडियन वीमेन एक्टीविस्ट

(9) सी.एन.मंगल, यशोदा भट्ट – बीयांड द थ्रेस होल्ड–इंडियन वीमेन ऑन द मूव

(10) सुधा गोस्वामी – भारत की चर्चित महिलाएं

(11) कौरोलिय एम बायर्ली और कारेन रास – महिलायें और संचार माध्यम

(12) साधना आर्य,नवोदिता मेनन आदि (संपादक) – नारीवादी राजनीति संघर्ष एवं मुद्दे

(13) यशोदा भट्ट – वीमेन इन इंडिया इन फिफ्टी इयर्स ऑफ इंडिपेंडेंस

(14) वृंदा करात – भारतीय नारी संघर्ष और मुक्ति

(15) सीमा पाल –भारतीय संस्कृति एवं ब्रिटिश उपनिवेशवाद

(16) एल.पी. माथुर – भारत की महिला स्वतंत्रता सेनानी

कार्यक्रम परिणाम

नारी अध्ययन भारतीय इतिहास का एक महत्वपूर्ण विषय है। इस पाठ्यक्रम से नारी अध्ययन से संबंधित स्रोत्रो, विभिन्न विचारधाराएँ की जानकारी प्राप्त होगी इसमें आधुनिक काल में महिलाओं की सामाजिक राजनैतिक स्थितियों का अध्ययन किया जायेगा।

14.7.22 14.7.22 14.7.22

सत्र–2022–24 (Session 2022-24)
(जुलाई 2023 से प्रारंभ)
एम.ए.अंतिम, इतिहास (M.A. Final, History)
तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर (Third &Fourth Semester)

टीप :– परीक्षार्थियों को निम्नलिखित खण्ड **ब एवं स** में से किसी एक खण्ड का चयन कर उसके दोनों प्रश्न पत्रों को हल करना होगा तथा दिये गए चार वैकल्पिक प्रश्न पत्रों में से **कोई दो वैकल्पिक प्रश्न पत्रों** का चयन करना होगा। सभी प्रश्न पत्रों में 100–100 अंक होंगे। 100 अंकों में 80 अंक सैद्धांतिक एवं 20 अंक आंतरिक मूल्यांकन के होंगे। सभी प्रश्न पत्रों के 5–5 क्रेडिट है।

तृतीय सेमेस्टर (Third Semester)

प्रश्न पत्र	प्रश्न पत्र का नाम	पेपर कोड	प्रोग्राम कोड	पूर्णांक	सैद्धांतिक	आंतरिक मूल्यांकन
	खण्ड ब : मध्यकालीन भारत Setion B : Medieval India					
प्रथम I	सल्तनत कालीन भारतीय राजनय एवं अर्थव्यवस्था (1200 से 1526 ई. तक) Indian polity and economy in the Sultanate period (1200-1526 A.D.)	M.A. HIS-020111	M.A. HIS-0201	100	80	20
द्वितीय II	सल्तनत कालीन समाज एवं संस्कृति (1200 से 1526 ई.) Society and culture in the Sultanate period (1200-1526 A.D.)	M.A. HIS-020112	M.A. HIS-0201	100	80	20
	खण्ड स : आधुनिक भारत Setion C : Modern India					
प्रथम I	आधुनिक भारत का राजनीतिक, प्रशासनिक इतिहास (1757 ई. से 1857 ई. तक) Political and Administrative History ofModern India(1757 A.D. to 1857 A.D.)	M.A. HIS-020113	M.A. HIS-0201	100	80	20
द्वितीय II	आधुनिक भारत का आर्थिक, सामाजिक, एवं सांस्कृतिक इतिहास (1757 ई. से 1857 ई. तक) Economical,Social and Cultural History of Modern India (1757 - 1857 A.D.)	M.A. HIS-020114	M.A. HIS-0201	100	80	20

14.7.22 14.7.22 14-7-2022

वैकल्पिक प्रश्न पत्र (Optional Paper)						
वैक. प्रथम Op. - I	भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन का इतिहास (1857 से 1922 ई. तक) History of Indian National Movement (1857 to 1922 A.D.)	M.A. HIS-020115	M.A. HIS-0201	100	80	20
वैक. द्वितीय Op. - II	भारत का सांस्कृतिक इतिहास (प्रारंभ से 1526 ई. तक) Cultural History of India (Begining to 1526 A.D.)	M.A. HIS-020116	M.A. HIS-0201	100	80	20
वैक. तृतीय Op. - III	भारतीय संविधान और शासन व्यवस्था (Indian Constitution and Administrative System)	M.A. HIS-020117	M.A. HIS-0201	100	80	20
वैक.चतुर्थ Op. - IV	पर्यटन सिद्धांत Tourism Theory	M.A. HIS-020118	M.A. HIS-0201	100	80	20

चतुर्थ सेमेस्टर (Forth Semester)

प्रश्न पत्र	प्रश्न पत्र का नाम	पेपर कोड	प्रोग्राम कोड	पूर्णांक	सैद्धांतिक	आंतरिक मूल्यांकन
	खण्ड ब : मध्यकालीन भारत Setion B : Medieval India					
प्रथम I	मुगलकालीन भारतीय राजनय एवं अर्थव्यवस्था (1526 से 1750 ई. तक) Indian Politiy and Economy in Mughal Period (1526-1750 A.D.)	M.A. HIS-020119	M.A. HIS-0201	100	80	20
द्वितीय II	मुगलकालीन समाज एवं संस्कृति (1526 से 1750 ई.) Society and Culture in Mughal Period (1526-1750 A.D.)	M.A. HIS-020120	M.A. HIS-0201	100	80	20
	खण्ड स : आधुनिक भारत Setion C : Modern India					
प्रथम I	आधुनिक भारत का राजनीतिक एवं प्रशासनिक इतिहास (1858 ई. से 1964 तक) (Political and Administrative History of Modern India (1858 - 1964 A.D.)	M.A. HIS-020121	M.A. HIS-0201	100	80	20
द्वितीय	आधुनिक भारत का आर्थिक, सामाजिक	M.A.	M.A.	100	80	20

II	एवं सांस्कृतिक इतिहास (1858 ई. से 1964 ई. तक) Economical, Social,and Cultural History of Modern India (1858 A.D. to 1964 A.D.)	HIS-020122	HIS-0201			
वैकल्पिक प्रश्न पत्र (Optional Paper)						
वैक. प्रथम Op. - I	भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन का इतिहास (1922 से 1947 ई. तक) History of Indian Indian National Movement (1922 - 1947 A.D.)	M.A. HIS-020123	M.A. HIS-0201	100	80	20
वैक. द्वितीय Op. - II	भारत का सांस्कृतिक इतिहास (1526 ई. से 1950 ई. तक) Cultural History of India (1526 - 1950 A.D.)	M.A. HIS-020124	M.A. HIS-0201	100	80	20
वैक. तृतीय Op. - III	भारत की केन्द्रीय तथा प्रांतीय शासन व्यवस्था Central and Provincial Administrative System of India	M.A. HIS-020125	M.A. HIS-0201	100	80	20
वैक. चतुर्थ Op. - IV	पर्यटन सिद्धांत एवं व्यवहार–इतिहास के संदर्भ में Tourism Theory and Principles In Reference of History	M.A. HIS-020126	M.A. HIS-0201	100	80	20

14.7.22

14.7.22

14.7.22

सत्र 2022–24 (जुलाई 2023 से प्रारंभ)

एम.ए.अंतिम इतिहास ,तृतीय सेमेस्टर (M.A. Final.History ,Third Semester)

(खण्ड–ब) मध्यकालीन भारत (Section –B, Medieval India)

प्रथम–प्रश्न पत्र (Paper - I)

सल्तनत कालीन भारतीय राजनय एवं अर्थव्यवस्था (1200 से 1526 ई.)

Indian Polity and Economy in Sultanate Period (1200-1526 A.D.)

(पेपर कोड– M.A.HIS-020111) (Prog. Code-M.A.HIS-0201)

इकाई – 1

1. सल्तनत कालीन इतिहास के स्रोत
2. दिल्ली सल्तनत की स्थापना एवं प्रसार
3. सल्तनत कालीन इतिहास लेखन – विभिन्न विचारधाराएं
4. सल्तनत कालीन राज्य का स्वरूप एवं राजत्व सिद्धांत

इकाई – 2

5. सल्तनकालीन केन्द्रीय प्रशासन
6. सल्तनत कालीन प्रांतीय प्रशासन व्यवस्था
7. अलाउद्दीन खिलजी की विजयें–उत्तर भारत, दक्षिण भारत
8. अलाउद्दीन खिलजी की आर्थिक नीति–बाजार नियंत्रण

इकाई – 3

9. मुहम्मद बिन तुगलक की योजनाएं
10. फिरोजशाह तुगलक के सुधार एवं प्रशासन
11. सल्तनतकालीन क्षेत्रीय राज्य –उत्तर भारत
12. सल्तनतकालीन क्षेत्रीय राज्य –दक्षिण भारत

इकाई – 4

13. सल्तनतकालीन भूराजस्व व्यवस्था
14. सल्तनतकालीन शिल्प व उद्योग
15. सल्तनतकालीन आंतरिक व्यापार
16. सल्तनतकालीन विदेशी व्यापार

इकाई – 5

17. तैमूर का आक्रमण एवं प्रभाव
18. सल्तनत काल में नगरों का उदय एवं विकास
19. सल्तनत कालीन मुद्राएं एवं बैंकिंग
20. सल्तनत कालीन –कृषि एवं उद्योग

टीपः–संशोधन –इकाई.1.4–सल्तनत कालीन राज्य का स्वरूप एवं राजत्व सिद्धांत

इकाई 2.6– सल्तनत कालीन प्रांतीय प्रशासन, **इकाई** 3.10– फिरोजशाह तुगलक के सुधार एवं प्रशासन, **इकाई** 5.18 – सल्तनत काल में नगरों का उदय एवं विकास

समायोजित – इकाई 2.6– सल्तनत कालीन प्रांतीय व्यवस्था–इक्ता

14.7.22 14.7.22. 14.7.22

संदर्भ ग्रंथ :

(1) हरिशचंद्र वर्मा – मध्यकालीन भारत भाग – 1

(2) ए.एल. श्रीवास्तव – सल्तनतकालीन भारत

(3) विपिन बिहारी सिन्हा – मध्यकालीन भारत

(4) बी.एन. लूणिया – पूर्व मध्यकालीन भारत

(5) इरफान हबीब – सल्तनतकालीन भारत

(6) एल.पी. शर्मा – मध्यकालीन भारत

(7) हेरम्ब चतुर्वेदी – मध्यकालीन इतिहासकार

(8) सतीश चंद्र – मध्यकालीन भारत–राजनीति, समाज और संस्कृति–आठवीं से सत्रहवीं सदीं तक

(9) वी. डी. महाजन – मध्य कालीन भारत 1000ई. से 1761ई. तक

कार्यक्रम परिणाम

मध्यकालीन भारत का इतिहास कला और भाषा संस्कृति और धर्म के क्षेत्र में हुए विकास के कारण भारत के इतिहास में एक महत्वपूर्ण अवधि है। साथ ही इस अवधि ने भारतीय संस्कृति पर अन्य धर्मो के प्रभाव को देखा है। मध्यकालीन भारत की शुरूआत राजपूत काल के उदय से चिन्हित है। इन पाठ्यक्रम में सल्तनत कालीन भारत की राजनीतिक व आर्थिक क्षेत्रों का अध्ययन किया जायेगा।

14-7-22 14-7-22 14-7-22

सत्र 2022–24 (जुलाई 2023 से प्रारंभ)

एम.ए.अंतिम इतिहास, तृतीय सेमेस्टर (M.A. Final. History, Third Semester)

(खण्ड–ब) मध्यकालीन भारत (Section –B, Medieval India)

द्वितीय–प्रश्न पत्र (Paper - II)

सल्तनत कालीन समाज एवं संस्कृति (1200 से 1526 ई. तक)

Society and Culture in Sultanate Period (1200-1526 A.D.)

(पेपर कोड– M.A.HIS-020112) Prog.Code-M.A.HIS-0201)

इकाई – 1

1. सल्तनत कालीन समाज –संरचना एवं परिवर्तन
2. सल्तनत कालीन नगरीय समाज नये सामाजिक वर्गों का उदय
3. सल्तनत कालीन हिन्दू समाज
4. सल्तनत कालीन मुस्लिम समाज

इकाई – 2

5. भक्ति आंदोलन –उदय के लिए उत्तरदायी तत्व, उदेश्य
6. सगुण भक्ति राम एवं कृष्ण शाखा
7. भक्ति आन्दोलन की उपादेयता एवं प्रभावशीलता
8. निर्गुण भक्ति सम्प्रदाय –कबीर और नानक

इकाई – 3

9. भक्ति आंदोलन की क्षेत्रीय विशेषताएं
10. भक्ति आंदोलन की भारतीय समाज एवं संस्कृति पर प्रभाव
11. सूफीवाद
12. प्रमुख सूफी सिलसिलें और उनकी विशेषताएं

इकाई – 4

13 इण्डो–इस्लामिक संस्कृति का उदय एवं विकास
14. सल्तनत कालीन विज्ञान एवं तकनीकी
15. सल्तनत कालीन स्थापत्य कला
16. सल्तनत कालीन क्षेत्रीय स्थापत्य कला

इकाई – 5

17. सल्तनत काल में साहित्य का विकास –संस्कृत साहित्य एवं हिन्दी साहित्य
18. सल्तनत काल में साहित्य का विकास उर्दू साहित्य एवं फारसी साहित्य
19. सल्तनत काल में चित्रकला एवं संगीत कला
20. सल्तनत कालीन शिक्षा

टीपः–संशोधनः– इकाई 2.5– भक्ति आंदोलन –उदय के लिए उत्तरदायी तत्व, उदेश्य, **2.6**–सगुण भक्ति राम एवं कृष्ण शाखा, 2.7– भक्ति आन्दोन की उपादेयता एवं प्रभावशीलता **5.17**– सल्तनत काल में साहित्य का विकास –संस्कृत साहित्य एवं हिन्दी साहित्य **5.18**– सल्तनत काल में साहित्य का विकास–उर्दू साहित्य एवं फारसी साहित्य, **5.20**– सल्तनत कालीन शिक्षा

समायोजित– इकाई 2.6–सगुण भक्ति की विशेषताएं , 3.12–भक्ति आंदोलन का साहित्य पर प्रभाव

संदर्भ ग्रंथ :

14.7.22 14.7.22 14-7-22

(1) बी.के. पंजाबी – मध्यकालीन भारतीय इतिहास
(2) हरिशचंद्र वर्मा – मध्यकालीन भारत भाग–1
(3) रामधारी सिंह दिनकर – संस्कृति के चार अध्याय
(4) बी.एन. लूणिया – पूर्व मध्यकालीन भारत
(5) विपिन बिहारी सिन्हा – मध्यकालीन भारत
(6) प्रताप सिंह – मध्यकालीन संस्कृति
(7) राजबली सिंह – सूफीवाद
(8) एल.पी. शर्मा – मध्यकालीन भारत
(9) ए.एल. श्रीवास्तव – मध्यकालीन संस्कृति
(10) पुरी, दास, चोपड़ा – भारत का सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक इतिहास (भाग–2)
(11) वी. डी. महाजन – मध्य कालीन भारत 1000 ई. से 1761ई. तक

कार्यक्रम परिणाम

मध्यकालीन भारत का इतिहास कला और भाषा, संस्कृति और धर्म के क्षेत्र में हुए विकास के कारण भारत के इतिहास में एक महत्वपूर्ण अवधि है। साथ ही इस अवधि ने भारतीय संस्कृति पर अन्य धर्मो के प्रभाव को देखा है। मध्यकालीन काल की शुरूआत राजपूत काल के दयय से चिन्हित है। इस पाठ्यक्रम में सल्तनत कालीन भारत की सामाजिक व सांस्कृतिक क्षेत्रों का अध्ययन किया जायेगा।

14.7.22 14.7.22 14.7.22

सत्र 2022–24 (जुलाई 2023 से प्रारंभ)
एम.ए.अंतिम इतिहास, तृतीय सेमेस्टर (M.A. Final, History ,Third Semester)
(खण्ड–स) आधुनिक भारत (Section –C, Modern India)
प्रथम–प्रश्न पत्र (Paper - I)
आधुनिक भारत का राजनीतिक एवं प्रशासनिक इतिहास (1757 ई. से 1857 ई. तक)
Political and Administrative History of Modern India (1757 -1857A.D.)
(पेपर कोड– M.A.HIS-020113) (Prog. Code-M.A.HIS-0201)

इकाई – 1

1. आधुनिक भारतीय इतिहास के स्रोत
2. आधुनिक भारतीय इतिहास लेखन की विचारधाराएं–साम्राज्यवादी, राष्ट्रवादी
3. आधुनिक भारतीय इतिहास लेखन की विचारधाराएं–मार्क्सवादी, जनवादी
4. पूर्व औपनिवेशिक भारत की राजनीतिक व्यवस्था

इकाई – 2

5. भारत में यूरोपियों का आगमन
6. कर्नाटक में आंग्ल–फ्रांसीसी प्रतिस्पर्धा
7. बंगाल में अंग्रेजी शक्ति का उदय
8. ब्रिटिश साम्राज्य का विस्तार–नीतियां तथा कार्यक्रम

इकाई – 3

9. आंग्ल – मैसूर संबंध
10. आंग्ल – मराठा संबंध
11. आंग्ल – अफगान संबंध
12. आंग्ल – सिक्ख संबंध

इकाई – 4

13. आंग्ल – अवध संबंध
14. भारत की औपनिवेशिक संरचना–प्रशासनिक स्वरूप
15. संवैधानिक विकास – 1773–1784
16. संवैधानिक विकास – 1784–1854

इकाई – 5

17. कंपनी एवं रियासतों के संबंध
18. कंपनी प्रशासन के अंतर्गत पुलिस, लोकसेवा एवं न्याय व्यवस्था
19. उपनिवेशवाद का प्रतिरोध–जनजातीय व कृषक आंदोलन
20. 1857 की क्रान्ति विचार धाराएँ, स्वरूप कारक एवं महत्व

टीपः– संशोधन इकाई 5.20–1857 की क्रान्ति विचार धाराएँ, स्वरूप कारक एवं महत्व
समायोजन इकाई 5.20– लार्ड डलहौजी के सुधार, हड़प नीति एवं 1857 की क्रांति की पृष्ठभूमि

14-7-22 14.7.22 14-7-22

संदर्भ ग्रंथ :

(1) एल.पी. शर्मा – आधुनिक भारत

(2) रजनीपाम दत्त – इंडिया टुडे

(3) प्रताप सिंह – आधुनिक भारत का इतिहास

(4) एम.एस. जैन – आधुनिक भारत

(5) सुमित सरकार – आधुनिक भारत का इतिहास

(6) बी.एल. ग्रोवर एवं यशपाल – आधुनिक भारत का इतिहास

(7) एग्नेस ठाकुर – भारत का इतिहास 1757–1857

(8) वीरकेश्वर प्रसाद सिंह – भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन एवं संवैधानिक विकास

(9) एस.आर. शर्मा – मेकिंग आफ मार्डन इंडिया

(10) बी.बी. मिश्र – सेंट्रल एडमिनिस्ट्रेशन आफ ईस्ट इंडिया कंपनी

(11) शेखर बंधोपाध्याय – प्लासी से विभाजन तक और उसके बाद

(12) विपिन चंद्रा – आधुनिक भारत का इतिहास

(13) वी.डी. महाजन – मार्डन इंडियन हिस्ट्री फ्राम 1707 टू प्रजेन्ट डे

(14) के.सी. चौधरी – हिस्ट्री आफ मार्डन इंडिया

(15) कौलेश्वर राय – आधुनिक भारत 1757–1950

(16) सीमा पाल – भारतीय संस्कृति एवं ब्रिटिश उपनिवेशवाद

कार्यकम परिणाम

आधुनिक भारत के इतिहास को औपनिवेशिक काल के रूप में भी जाना जाता है, उस अवधि के दौरान अंग्रेजों ने हमारे देश का काफी हद तक शोषण किया था। यह काल हमारे पारम्परिक समाज को आधुनिक समाज में बदल देता है 18 वीं सदी में अंग्रेजो ने सभी को परास्त कर भारत में अपना साम्राज्य स्थापित किया। अंग्रेजों ने देश में सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक जीवन में कांतिकारी परिवर्तन किया। प्रशासनिक परिवर्तनो से देश में अनेक स्थानों पर जनजातीय और कृषक विद्रोह भी हुए लेकिन कुछ समय के बाद देश में परिवर्तन की लहर से अंग्रेजी शासन के खिलाफ 1857 की कान्ति शुरू हुई। इस पाठ्यकम में इन सारे क्षेत्रों का अध्ययन किया जायेगा।

14-7-22 14-7-22 14-7-22

सत्र 2022–24 (जुलाई 2023 से प्रारंभ)
एम.ए.अंतिम इतिहास, तृतीय सेमेस्टर (M.A. Final History, Third Semester)
(खण्ड–स) आधुनिक भारत (Section –C, Modern India)
द्वितीय–प्रश्न पत्र (Paper - II)
आधुनिक भारत का आर्थिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक इतिहास (1757 ई.से 1857ई. तक)
(Economical, Social and Cultural History of Modern India 1757 -1857 A.D.)
(पेपर कोड– M.A.HIS-020114) (Prog. Code-M.A.HIS-0201)

इकाई – 1

1. पूर्व औपनिवेशिक भारत की आर्थिक व्यवस्था
2. यूरोपीय वाणिज्यवाद का उदय
3. अंग्रेजों की व्यापारिक, वाणिज्यिक नीति
4. कृषि का वाणिज्यीकरण

इकाई – 2

5. ग्रामीण अर्थव्यवस्था – कृषि की स्थिति एवं समस्याएं
6. नवीन भूराजस्व व्यवस्था – स्थाई बंदोबस्त
7. नवीन भूराजस्व व्यवस्था – रैयतवाड़ी, महालवाड़ी
8. अकाल एवं अकाल नीति

इकाई – 3

9. शहरी अर्थव्यवस्था – हस्तशिल्प, उद्योगों का पतन
10. नवीन औद्योगीकरण
11. आंतरिक बाजार और शहरी केन्द्र, विदेशी व्यापार
12. धन का निष्कासन

इकाई – 4

13. पूर्व औपनिवेशिक भारत की सामाजिक एवं सांस्कृतिक व्यवस्था
14. भारतीय पुनर्जागरण– राजाराम मोहनराय, ब्रम्ह समाज
15. समन्वयवादी समाज सुधार आंदोलन–बंगाल एवं महाराष्ट्र के संदर्भ में
16. सामाजिक सुधार शासन द्वारा किये गए सुधार कार्य

इकाई – 5

17. प्रतिक्रियावाद – वहाबी आंदोलन
18. नवीन सामाजिक वर्गों का उदय
19. शिक्षा का विकास
20. भारतीय प्रेस (1857 तक)

टीपः–संशोधित इकाई 4.14– भारतीय पुनर्जागरण– राजाराम मोहनराय, ब्रम्ह समाज

14.7.22 14.7.22, 14.7.22

संदर्भ ग्रंथ :

(1) एल.पी. शर्मा – आधुनिक भारत
(2) ए.आर. देसाई – आधुनिक राष्ट्रवाद की सामाजिक पृष्ठभूमि
(3) रजनी पामदत्त – इंडिया टुडे
(4) ग्रोवर एवं यशपाल – आधुनिक भारत का इतिहास एवं नवीन मूल्यांकन (1707–1969)
(5) एस.आर. शर्मा – मेकिंग आफ मार्डन इंडिया
(6) प्रताप सिंह – आधुनिक भारत–1, खंड–3
(7) एम.एस. जैन – आधुनिक भारत का इतिहास
(8) एस.पी. नायर – सोशल एंड इकॉनामिक हिस्ट्री आफ मॉडर्न इंडिया
(9)S.P. Nanda - Economic and Social History of Modern India
(10) V.A. Narain - Social History of Modern India
(11) एग्नेस ठाकुर – भारत का आर्थिक इतिहास (1757–1950)
(12) पुरी, दास, चोपड़ा –भारत का सामाजिक आर्थिक एवं सांस्कृतिक इतिहास
(13) अरूण भट्टाचार्य – हिस्ट्री आफ माडर्न इंडिया (1757–1947)
(14) नीलकंठ शास्त्री – एडवांस हिस्ट्री ऑफ इंडिया
(15) आर.सी. मजुमदार एवं एच.सी. राय – ऐन एडवांश हिस्ट्री ऑफ इंडिया
(16) कौलेश्वर राय – आधुनिक भारत 1757–195
(17) सीमा पाल – भारतीय संस्कृति एवं ब्रिटिश उपनिवेशवाद

कार्यक्रम परिणाम

आधुनिक भारत के इतिहास को औपनिवेशिक काल के रूप में भी जाना जाता है, उस अवधि के दौरान अंग्रेजो ने हमारे देश का काफी हद तक शोषण किया था। यह काल हमारे पारम्परिक समाज को आधुनिक समाज में बदल देता है। 18 वीं सदी में अंग्रेजो ने सभी को परास्त कर भारत में अपना सम्राज्य स्थापित किया। अंग्रेजो ने देश में सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक जीवन में कान्तिकारी परिवर्तन किया। प्रशासनिक परिवर्तनों से देश में अनेक स्थानों पर जनजातीय और कृषक विद्रोह भी हुए लेकिन कुछ समय के बाद देश में परिवर्तन की लहर से अंग्रेजी शासन के खिलाफ 1857 की कान्ति शुरू हुई। इस पाठ्यक्रम में ब्रिटिश युगीन भारत की सामाजिक, आर्थिक व सांस्कृतिक क्षेत्रों का अध्ययन किया जायेगा।

14.7.22 14.7.22 14.7.22

सत्र 2022–24 (जुलाई 2023 से प्रारंभ)

एम.ए.अंतिम इतिहास, तृतीय सेमेस्टर (M.A.Final History, Third Semester)

प्रश्न पत्र (वैकल्पिक–01) (Paper - Optional - 01)

भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन का इतिहास (1857ई.–1922ई. तक)

History of National Movement (1857 - 1922 A.D.)

(पेपर कोड– M.A.HIS-020115) Prog. Code-M.A.HIS-0201)

इकाई – 1

1. 1857 के विप्लव के कारण एवं घटनाएं
2. 1857 के विप्लव का स्वरूप एवं परिणाम
3. भारत में राष्ट्रवाद की वैचारिक पृष्ठभूमि
4. कांग्रेस की स्थापना के पूर्व राजनीतिक संगठन

इकाई – 2

5. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना – अवधारणाएं एवं उद्देश्य
6. कांग्रेस का नरमपंथी युग –विचारधारा एवं कार्यक्रम
7. कांग्रेस में उग्रवाद का उदय – विचारधारा एवं कार्यक्रम
8. नरमपंथी –उग्रवाद संघर्ष, सूरत की फूट

इकाई – 3

9. बंग–भंग एवं स्वदेशी आंदोलन
10. साम्प्रदायिक राजनीति का उदय, मुस्लिम लीग
11. प्रथम विश्व युद्ध एवं भारतीय राष्ट्रीय अन्दोलन
12. लखनऊ समझौता

इकाई – 4

13. होमरूल आंदोलन
14. गांधीजी का भारतीय राजनीति में प्रवेश एवं उनके नेतृत्व में प्रारंभिक आंदोलन
15. खिलाफत आंदोलन
16. रोलेट एक्ट, जलियावाला बाग हत्याकांड और उसका प्रभाव

इकाई – 5

17. क्रांतिकारी आंदोलन–प्रथम चरण–महाराष्ट्र, बंगाल, पंजाब एवं अन्य क्षेत्र
18. क्रांतिकारी आंदोलन की विदेशों में गतिविधियां
19. असहयोग आंदोलन
20. असहयोग आंदोलन का भारतीय राजनीति पर प्रभाव

टीपः– संशोधन – इकाई 3.11– प्रथम विश्व युद्ध एवं भारतीय राष्ट्रीय अन्दोलन

समायोजित –इकाई **4.16** –1919 के अधिनियम

14.7.22

14.7.22

14.7.22

संदर्भ ग्रंथ :

(1) ताराचंद – भारतीय स्वाधीनता आंदोलन का इतिहास भाग 1 व 2

(2) सुमित सरकार – आधुनिक भारत

(3) पं.सुंदरलाल शर्मा – भारत में अंग्रेजी राज

(4) डॉ. आभा सक्सेना – इंडियन नेशनल मूवमेंट एंड द लिबरलस

(5) ए. आर. देसाई – भारतीय राष्ट्रवाद की सामाजिक पृष्ठभूमि

(6) शर्मा एवं शर्मा – भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन एवं राजनैतिक विकास

(7) कौलेश्वर राय – फ्रीडम स्ट्रगल

(8) विपिन चन्द्र – भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का इतिहास

(9) बीरकेश्वर प्रसाद सिंह – भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन एवं संवैधानिक विकास

(10) रामलखन शुक्ला – आधुनिक भारत का इतिहास

(11) विनोद कुमार सक्सेना – द पार्टीशन ऑफ बंगाल

(12) के. पी. बहादुर – हिस्ट्री ऑफ फ्रीडम मूवमेंट इन इंडिया

(13) योगेन्द्र श्रीवास्तव – हिस्ट्री ऑफ फ्रीडम मूवमेंट 1857–1947

(14) यशपाल एवं ग्रोवर – आधुनिक भारत का इतिहास

(15) कौलेश्वर राय – आधुनिक भारत 1757–1950

कार्यक्रम परिणाम

भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन का इतिहास आधुनिक क्रन्तियों जितना ही प्रासंगिक और महत्वपूर्ण है जिसका मकसद मौजूदा राजनीतिक और सामाजिक संस्कृति को बदलना और समानता पर आधारित एक नई राजनीतिक, सामाजिक व अर्थिक व्यवस्था, कानून का शासन और लोकतात्रिक व्यवस्था स्थापित करना था। इस अवधि में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना तथा अनेक संगठनों के द्वारा भारत की आजादी के लिए संघर्ष प्रारंभ हुए। महात्मा गॉधी के नेतृत्व में असहयोग आन्दोलन हुए क्रान्तिकारियों ने देश के नवयुवको में उत्साह का संचार भरा। इस सभी का अध्ययन इस पाठ्यक्रम में किया जयेगा।

14.7.22 14.7.22. 14.7.22

सत्र 2022–24 (जुलाई 2023 से प्रारंभ)

एम.ए.अंतिम इतिहास, तृतीय सेमेस्टर (M.A. Final. History, Third Semester)

प्रश्न पत्र (वैकल्पिक–02) (Paper - Optional - 02)

भारत का सांस्कृतिक इतिहास (प्रारंभ से 1526 ई. तक)

Cultural History of India (Begining to 1526 A.D.)

(पेपर कोड– M.A.HIS-020116) (Prog. Code-M.A.HIS-0201)

इकाई – 1

1. हड़प्पा कालीन सामाजिक जीवन
2. हड़प्पा कालीन कला एवं स्थापत्य कला
3. आर्यों का मूल निवास संबंधी अवधारणाएं
4. भारत में आर्य संस्कृति का प्रसार

इकाई – 2

5. ऋग्वेद कालीन समाज एवं संस्कृति
6. उत्तरवैदिक कालीन समाज एवं संस्कृति
7. वेद, उपनिषद, सूत्र, स्मृतिग्रंथ
8. महाकाव्य युगीन संस्कृति

इकाई – 3

9. महाजनपद कालीन समाज एवं संस्कृति
10. जैन धर्म, बौद्ध धर्म
11. मौर्यकालीन समाज एवं संस्कृति
12. भारतीय संस्कृति में अशोक का योगदान

इकाई – 4

13. गुप्तकालीन समाज एवं धर्म
14. गुप्तकालीन कला विज्ञान एवं साहित्य
15. राजपूत कालीन समाज
16. राजपूत कालीन कला एवं स्थापत्य

इकाई – 5

17. सल्तनत कालीन समाज
18. सल्तनतकालीन संस्कृति की विशेषताएं
19. भक्ति आंदोलन
20. सूफी आंदोलन

टीपः–संशोधन –इकाई 1.4–आर्यों का भारत में प्रसार

विलोपित– इकाई 1.1 –हड़प्पा कालीन आर्थिक जीवन

कारण – प्रश्नपत्र में सांस्कृतिक इतिहास की विषय सामग्री समाहित की गई है।

14-7-22

14.7.22

14.7.22

संदर्भ ग्रंथ :

(1) रामशरण शर्मा – प्राचीन भारत

(2) विमल चन्द्र पाण्डेय – प्राचीन भारत का राजनीतिक, सांस्कृतिक इतिहास

(3) रोमिला थापर – अशोक तथा मौर्य साम्राज्य का पतन

(4) के.एन. शास्त्री – दक्षिण भारत का इतिहास

(5) ए.एल. बाशम – अद्‌भुत भारत

(6) भारद्वाज – मध्यकालीन भारतीय संस्कृति

(7) जयनारायण पांडे – सिंधु सभ्यता

(8) के.सी. श्रीवास्तव – प्राचीन भारत का इतिहास तथा संस्कृति

(9) शिवशंकर शर्मा – भारतीय संस्कृति

(10) नीरज श्रीवास्तव – मध्यकालीन भारत–प्रशासन, समाज एवं संस्कृति

(11) रामशरण शर्मा – प्रारंभिक भारत का परिचय

(12) कृष्ण मोहन श्रीमाली – धर्म, समाज एवं संस्कृति

(13) रमेन्द्र नाथ नंदी – प्राचीन भारत में धर्म के सामाजिक आधार

(14) राधाकुमुद मुखर्जी – हिन्दू सभ्यता

(15) बी.एन. लूणिया – प्राचीन भारतीय संस्कृति

(16) राजबली – सूफीवाद

कार्यक्रम परिणाम

इस पाठ्यक्रम द्वारा भारत की सास्कृतिक इतिहास प्राचीनकाल से मध्यकाल तक अध्ययन किया जा सकेगा इसमें सिन्धुघाटी की सभ्यता से लेकर सल्तनत काल की सामाजिक एवं सास्कृतिक दशा के साथ–साथ धर्म कला विज्ञान एवं साहित्य तथा भक्ति एवं सूफी अन्दोलन की जानकारियॉ प्राप्त हो सकेगी।

14.7.22

14.7.22

14.7.22

सत्र 2022–24 (जुलाई 2023 से प्रारंभ)

एम.ए.अंतिम, इतिहास तृतीय सेमेस्टर (M. A. Final- History ,Third Semester)

प्रश्न पत्र (वैकपिक 3) (Paper optional- 3)

भारतीय संविधान और शासन व्यवस्था

(Indian Constitution and Administrative System)

Prog.Code- M.A.HIS-0201, Paper Code-M.A.HIS-020117

इकाई –1

1.भारत की संविधान सभा का गठन
2.भारत का संविधान सभा की विभिन्न समितियॉ
3.भारतीय संविधान की प्रस्तावना
4.भारतीय संविधान की प्रमुख विषेशताएँ

इकाई –2

5. भारतीय संविधान के स्रोत
6. मौलिक अधिकार एवं सवैधानिक उपचार
7. नीति निर्देशक तत्व
8. मौलिक कर्तव्य

इकाई–3

9.राष्ट्रपति – निर्वाचन,शक्तियॉ एवं कर्तव्य
10.उपराष्ट्रपति निर्वाचन शक्तियॉ एवं कर्तव्य
11.प्रधानमंत्री एवं मंत्रिपरिषद तथा उनके कार्य
12.संसद का गठन – राज्य सभा एवं लोकसभा

इकाई–4

13.संविधान संशोधन प्रक्रिया एवं प्रमुख संषोधन
14.आपातकालीन उपबंध
15.महान्यायवादी
16.नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक

इकाई–5

17.सर्वोच्च न्यायालय
18.संघलोक सेवा आयोग, निर्वाचन आयोग
19 नीति आयोग एवं राष्ट्रीय विकास परिषद
20.वित्त आयोग

अनुशासित पुस्तकें :–

- डी.डी. बसु – भारत का संविधान एक परिचय
- हिर मोहन जैन – भारतीय शासन और राजनीति
- सुशीला कौषिक – भारतीय शासन और राजनीति
- R.C.Agrawal – Indian Political System
- A.G.Noorani - Constitutional Questions in India
- A.S.Narang – Indian Goverment and Politics
- G.Austin - The Indian Constitution
- M.V.Paylee – An Introduction to the constitution of India
- सुभाश कश्यप – हमारा संविधान
- सुरेन्द्र कटारिया – भारत में लोक प्रषासन
- अशोक शर्मा – भारत में प्रशानिक संस्थाएँ।

14.7.22

14.7.22

14.7.22

कार्यक्रम परिणाम

संविधान और शासन का इतिहास महत्वपूर्ण है क्योंकि प्रत्येक पीढ़ी को न केवल अधिकारों और विशेष अधिकार बल्कि इनके नागरिको का दायित्व भी उल्लेखित रहता है। इस पाठ्यक्रम में भारतीय संविधान के गठन तथा देश की कार्यपालिका, व्यवस्थापिका एवं न्यायपालिका से संबंधित जानकारियों का उल्लेख का अध्ययन किया जा सकेगा।

14.7.22

14.7.22

14.7.22

सत्र 2022–24 (जुलाई 2023 से प्रारंभ)

एम.ए.अंतिम, इतिहास, तृतीय सेमेस्टर (M.A.Final History, Third Semester)

प्रश्न पत्र (वैकल्पिक–04) (Paper - Optional -04)

पर्यटन सिद्धान्त (Tourism Theory)

(पेपर कोड– M.A.HIS-020118) (Prog. Code-M.A.HIS-0201)

इकाई – 1

1. पर्यटन का अर्थ एवं परिभाषा
2. पर्यटन की अवधारणा
3. पर्यटन का उद्देश्य एवं महत्व
4. पर्यटन के सिद्धान्त एवं व्यवहार

इकाई – 2

5. पर्यटन संगठन
6. भारतीय पर्यटन संगठन केन्द्रीय
7. प्रान्तीय पर्यटन विभाग
8. छत्तीसगढ़ पर्यटन विकास की योजनाएं

इकाई – 3

9. ट्रैवल एजेंसी – गठन
10. ट्रैवल एजेंसी – कार्य
11. पर्यटन एवं यातायात
12. टिकट एवं आरक्षण कार्य

इकाई – 4

13. पर्यटन विकास में संचार साधनो का योगदान
14. पर्यटन एवं आवास तथा होटल उद्योग, मुद्रा विनिमय
15. अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन – पासपोर्ट, वीसा विदेशी संबंधी नियम
16. अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन सुविधाएं एवं समस्याएं

इकाई – 5

17. पर्यटन एवं हस्तशिल्प उद्योग
18. पर्यटन एवं कला
19. पर्यटन एवं लोक संस्कृति
20. पर्यटन एवं मेले त्यौहार

संदर्भ ग्रंथ :

(1) जगमोहन नेगी – पर्यटन एवं यात्रा के सिद्धांत
(2) जगमोहन नगी – पर्यटन एवं मार्केटिंग तथा विकास
(3) के.के. दीक्षित – पर्यटन के विविध आयाम
(4) ताज राव – पर्यटन विकास के विविध आयाम
(5) ताज राव – पर्यटन का प्रभाव एवं प्रबंधन
(6) ए.के. भाटिया – टूरिज्म डेवलेपमेंट प्रिंसिपल एंड प्रैक्टिसेज
(7) राम आचार्य – टूरिज्म इन इंडिया

14.7.22

14.7.22

14.7.2

कार्यक्रम परिणाम

भारत एक आकर्षक देश है और इसमें विभिन्न पर्यटक आकर्षण है। इसमें विभिन्न प्रकार के धर्म, संस्कृति, भाषा एवं ऐतिहासिक तथा प्राकृतिक स्थल आदि समाहित है। भारत की समृद्ध संस्कृति और परम्परा विश्व भर में प्रसिद्ध है। भारत में देश विदेश से पर्यटक आते है भारत सरकार द्वारा पर्यटन के क्षेत्र में अनेक विकास योजनाएँ संचालित होती है। पर्यटक को बढ़ावा देने के लिए केन्द और राज्य सरकार द्वारा अनेक कार्य योजना शुरू की गई है। इनका अध्ययन इस पाठ्क्रम के माध्यम से किया जायेगा।

14.7.22

14.7.22

14.7.22

एम.ए.पूर्व (इतिहास)
वर्षिक पद्धति
सत्र –2023–24

नोटः– तीन अनिवार्य प्रश्न पत्रों के अतिरिक्त परीक्षार्थियों को कोई एक वैकल्पिक प्रश्न पत्र चयन करना होगा। प्रत्येक प्रश्न पत्र 100–100 अंकों के होंगे।

क्र. प्रश्न पत्र	प्रश्नपत्र का नाम	पेपर कोड	प्रोग्राम कोड	पूर्णांक
	अनिवार्य प्रश्नपत्र			
1. प्रथम प्रश्नपत्र	इतिहास पद्धति एवं इतिहास लेखन	M.A.HIS-020132	M.A.HIS-0201	100
2. द्वितीय प्रश्नपत्र	बीसवीं शताब्दी का विश्व	M.A.HIS-020133	M.A.HIS-0201	100
3.तृतीय प्रश्नपत्र	छत्तीसगढ़ का इतिहास	M.A.HIS-020134	M.A.HIS-0201	100
	वैकल्पिक प्रश्नपत्र			
4. चतुर्थ प्रश्नपत्र वैकल्पिक (अ)	वैकल्पिक (अ) ग्रेट ब्रिटेन का इतिहास (1875–1945)	M.A.HIS-020135	M.A.HIS-0201	100
वैकल्पिक (द)	वैकल्पिक (द) भारतीय इतिहास में नारी	M.A.HIS-020136	M.A.HIS-0201	100

14.7.22

14-7-2022

एम.ए.पूर्व (इतिहास), वार्षिक पद्धति, सत्र–2023–24
प्रथम प्रश्न पत्र (अनिवार्य)
इतिहास पद्धति एवं इतिहास लेखन
(पेपर कोड– M.A.HIS-020132) प्रोग्राम कोड– M.A.HIS-0201

इकाई–1

1. इतिहास का अर्थ, परिभाषा एवं विस्तार सामग्री, संकलन तथा तथ्यों की व्याख्या
2. इतिहास में कार्यकारण संबंध
3. इतिहास में वस्तुनिष्ठता
4. इतिहास का अन्य विषयों से अंतः संबंध

इकाई–2

5. इतिहास के प्रमुख सिद्धान्त– चक्रवादी, तुलनात्मक, आधुनिकोत्तर
6. इतिहास के प्रमुख सिद्धान्त–ऐतिहासिक भौतिकवाद, समाजशास्त्रीय, सापेक्षवाद
7. इतिहास लेखन की परम्पराएं–ग्रीक–रोमन, चीनी, अरबी तथा पर्शियन
8. इतिहास लेखन की परम्पराएं– प्राचीन भारतीय, मध्यकालीन तथा आधुनिक

इकाई–3

9. इतिहास की धार्मिक व्याख्या
10. इतिहास की आदर्शवादी व्याख्या
11. इतिहास की राष्ट्रवादी व्याख्या
12. इतिहास की साम्राज्यवादी व्याख्या

इकाई–4

13. इतिहास की मार्क्सवादी व्याख्या
14. सबाल्टर्न अथवा जनवादी इतिहास
15. भारतीय इतिहास की विषयवस्तु –आर्थिक, राजनीतिक इतिहास
16. भारतीय इतिहास की विषयवस्तु– कृषक एवं श्रमिक

इकाई–5

17. जातीय एवं जनजातीय इतिहास
18. भारतीय इतिहास की विषयवस्तु–सामाजिक, सांस्कृतिक इतिहास
19. विज्ञान प्रौद्यौगिकी का इतिहास
20. भारतीय इतिहास लेखन में वामपंथी –दक्षिणपंथी

टीपः– संशोधन – इकाई 1.4– इतिहास का अन्य विषयों से अंतः संबंध,
इकाई 4.15– भारतीय इतिहास की विषयवस्तु –आर्थिक, राजनीतिक इतिहास

समायोजित – इकाई–5.20– भारतीय इतिहास लेखन में वामपंथी– दक्षिणपंथी (वाद–विवाद)

14.7.22 14.7.2022

14.7.22

अनुशंसित ग्रन्थ सूचीः–

1. E.H. Carr - What is Sistory
2. R.G. Collingwood - The idea of History
3. S.P. Sen - History and Historiography in Modern India
4. R.C. Majumdar - Historiography in Modern Indias
9. राधेशरण –इतिहास चिन्तन, पद्धति एवं इतिहास लेखन
10. रामकुमार बेहार एवं ऋषिराज पांडे – इतिहास पद्धति एवं इतिहास लेखन
11. बी.के. श्रीवास्तव – इतिहास लेखनः अवधारण, विधाएं एवं साधन
12. के.एल. खुराना एवं डॉ. आर.के. बंसल – धारणाएं तथा पद्धतियां
13. झारखंड चौबे – इतिहास दर्शन
14. परमानन्द सिंह –इतिहास दर्शन
15. गोविन्द चन्द्र शर्मा – इतिहास स्वरूप एवं सिद्धान्त
16. मानिक लाल गुप्ता – इतिहास स्वरूप, अवधारणाएं एवं उपयोगिता

कार्यकम के परिणाम

इतिहास हमें दुनिया की बेहतर समझ विकसत करने में मदद करता है। यह समझ बिना आप अपने जीवन को आधार बनाने के लिए एक ढांचा नही बना सकते । इतिहासर हमें इस बात की विस्तृत चित्रण प्रस्तत करता है कि कैसे समाज प्रौद्यिगिकी और सरकार ने बहुत पहले काम किया ताकि हम बेहतर तरीके से समझ सकें कि कैसे यह अब का करता है।

14.7.22

14.7.2022

14/7/22

एम.ए.पूर्व (इतिहास) ,वार्षिक पद्धति, सत्र 2023–24
द्वितीय प्रश्नपत्र (अनिवार्य)
बीसवीं शताब्दी का विश्व
(पेपर कोड– M.A.HIS-020133) प्रोग्राम कोड– M.A.HIS-0201

इकाई 1

1. नवीन साम्राज्यवाद
2. पूंजीवाद
3. उदारवाद
4. समाजवाद

इकाई 2

5. बिस्मार्क की आंतरिक एवं विदेश नीति
6. कैसर विलियम द्वितीय की ~~बिस्व~~ विदेशनीति
7. चीनी क्रांति (1911)
8. . प्रथम विश्वयुद्ध – कारण, घटनाएं, परिणाम

इकाई 3

9. पेरिस शांति सम्मेलन की संधियां
10. 1917 की रूसी क्रांति
11. राष्ट्रसंघ– उपलब्धियां एवं असफलताएं
12. विश्व आर्थिक मंदी– न्यू डील

इकाई 4

13. इटली में फासीवाद – मुसोलिनी
14. जर्मनी में नाजीवाद – हिटलर
15. जापान में सैन्यवाद
16. अरब राष्ट्रवाद

इकाई 5

17. द्वितीय विश्वयुद्ध – कारण, घटनाएं, परिणाम
18. संयुक्त राष्ट्र संघ– उपलब्धियां एवं योगदान
19. गुट निरपेक्ष आंदोलन तथा तृतीय विश्व
20. शीत युद्ध –स्वरूप, अंर्तराष्ट्रीय संधियां एवं तनाव तथा प्रभाव

टीपः– संशोधन –इकाई 1.1–नवीन साम्राज्यवाद,1.2– पूंजीवाद, 2.5– बिस्मार्क की आंतरिक एवं विदेश नीति, 2.6– कैसर विलियम द्वितीय की विदेश नीति, 2.7.चीनी क्रांति 1911, 4.13– इटली में फासीवाद –मुसोलिनी, **4.14**–जर्मनी में नाजीवाद –हिटलर 5.18.–संयुक्त राष्ट्र संघ– उपलब्धियां एवं योगदान, **5.** 20–.शीत युद्ध –स्वरूप, अंर्तराष्ट्रीय संधियां एवं तनाव तथा प्रभाव को पाठ्यक्रम में जोड़ा गया है

विलोपित– इकाई 1 .1–पूंजीवाद एवं साम्राज्यवाद का विकास इंग्लैंड, फ्रांस, जर्मनी तथा जापान,
1.3– पूर्वी समस्या (1900–1914), 4.15–चीनी क्रांतियां (1911 से 1949 तक),
5.20.–अंतर्राष्ट्रीय समस्याएं –फिलिस्तीन, क्यूबा, कोरिया, वियतनाम

14.7.22 14.7.2022
14.7.22

अनुशंसित ग्रन्थ सूची :–

1. दीनानाथ वर्मा – आधुनिक विश्व का इतिहास
2. एम.एल. शर्मा – आधुनिक युरोप का इतिहास
3. विनाके – सुदूर पूर्व का इतिहास
4. के.एल. खुराना – विश्व का इतिहास
5. के.एल. खुराना – एशिया का आधुनिक इतिहास
6. H.G. Wells - History of the Modern World
7. B.V. Rap - History of World
8. D.G.E. Hall - South East Asia
9. देवेन्द्र सिंह चौहान – समकालीन यूरोप
10. इंदिरा अर्जुन देव – समकालीन विश्व
11. बी.के.श्रीवास्तव – विश्व इतिहास की प्रमुखधाराएँ

कार्यकम के परिणाम

20 वीं एवं 21 सदी की दुनिया में उन घटनाओं की श्रृंखला का प्रभुत्व था जिन्होने विश्व इतिहास में कई महत्वपूर्ण परिवर्तन किए। औद्योगिक कॉति तथा विश्व में पुंजीवादी, उपनिवेशवाद को बढावा दिया और मानव समाज में संघर्ष हुआ। इस अवधि में स्पेनिश फलू , प्रथम विश्व युद्ध तथा युद्ध के बाद परमाणु हथियार, परमाणु शक्ति और उसमें बाद संघर्ष हुए इन घटनाओं का ध्ययन इस पाठयक्म में किया जायेगा।

14.7.22. 14.7.22

14.7.22

एम.ए.पूर्व (इतिहास), वार्षिक पद्धति, सत्र 2023–24
तृतीय प्रश्न पत्र (अनिवार्य)
छत्तीसगढ़ का इतिहास
(पेपर कोड– M.A.HIS-020134), प्रोग्राम कोड– M.A.HIS-0201

इकाई 1

1. छत्तीसगढ़ का परिचय, सीमाएं, नामकरण
2. प्राचीन काल में छत्तीसगढ़ –प्रारंभ से मौर्य वंश के पूर्व तक
3. प्राचीन काल में छत्तीसगढ़ –मौर्य, गुप्त, वाकाटक
4. क्षेत्रीय राजवंश –नलवंश, राजर्षितुल्य, शरभ पुरीय, पांडु वंशीय, छिंदकनाग वंश सोमवंश

इकाई 2

5. छत्तीसगढ़ के कल्चुरी
6. कल्चुरी युगीन छत्तीसगढ़ की सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक दशा
7. छत्तीसगढ़ में भोंसला शासन
8. मराठा कालीन, छत्तीसगढ़ की सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक दशा

इकाई 3

9. छत्तीसगढ़ में ब्रिटिश शासन
10. ब्रिटिश कालीन छत्तीसगढ़ की सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक दशा
11. छत्तीसगढ़ की जमीदारियां एवं करद राज्य
12. 1857 का विप्लव (छत्तीसगढ़, उड़ीसा, सागर नर्मदा क्षेत्र, नागपुर)

इकाई 4

13. छत्तीसगढ़ में राजनीतिक जागरण 1920 तक
14. छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय आन्दोलन (1920–1947)
15. छत्तीसगढ़ में किसान, मजदूर, जनजातीय आन्दोलन
16. छत्तीसगढ़ की रियासतों का विलीनीकरण

इकाई 5

17. छत्तीसगढ़ में धार्मिक आस्थाएं –वैष्णव, शैव, शाक्त, जैन, कबीरपंथ, सतनाम पंथ, इस्लाम धर्म, इसाई धर्म
18. छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति
19. छत्तीसगढ़ राज्य के निर्माण की पृष्ठभूमि
20. स्वतंत्रोत्तर छत्तीसगढ़ का आर्थिक विकास

टीपः–संशोधन–इकाई 1.2–प्राचीन काल में छत्तीसगढ़ –प्रारंभ से मौर्य वंश के पूर्व तक,
3.6– ब्रिटिश कालीन छत्तीसगढ़ का सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक विकास
3.12– 1857 का विप्लव (छत्तीसगढ़, उड़ीसा, सागर नर्मदा क्षेत्र, नागपुर)

विलोपित– इकाई 1. 4– मध्यप्रदेश के कल्चुरी

14.7.22 14.7.22 14.7.22

अनुशंसित ग्रन्थ सूची :

1. प्यारे लाल गुप्त — प्राचीन छत्तीसगढ़ ,रविशंकर शुक्ल वि.वि. प्रकाशन
2. भगवान सिंह वर्मा — छत्तीसगढ़ का इतिहास
3. अशोक शुक्ला — छत्तीसगढ़ का राजनैतिक इतिहास एवं राष्ट्रीय आन्दोलन
4. शांता शुक्ला — छत्तीसगढ़ का सामाजिक एवं आर्थिक इतिहास
5. पी.एल. मिश्रा — मराठा कालीन छत्तीसगढ़
6. पी.एल. मिश्रा — दक्षिण कोशल का प्राचीन इतिहास
7. एल.एस. निमम — दक्षिण कोशल का प्राचीन प्रकरण
8. बी.बी. मिराशी — कल्चुरी नरेश और उनका काल
9. जे. आर. वर्ल्यानी एवं वासुदेव साहसी — छत्तीसगढ़ का राजनीतिक एवं सांस्कृतिक इतिहास –प्रारंभ से 1947 ई. तक
10. मदनलाल गुप्ता — छत्तीसढ़ दिग्दर्शन
11. डी.पी. मिश्र — मध्यप्रदेश में स्वाधीनता आन्दोलन का इतिहास
12. के.के. अग्रवाल — बीसवीं शताब्दी का छत्तीसगढ़
13. ऋषिराज पाण्डेय — छत्तीसगढ़ : दक्षिण कोसल के कल्चुरी
14. M.A. Khan - History of British Administrative System in India
15. R.M. Sinha - Bhoslas of Nagpur : The Last Phase
16. Sabeeha Yasmin Khan - Civil Disobedience Movement in Chhattisgarh
17.. रीता पांडेय — बिलासपुर जिले की भूराजस्व व्यवस्था 1861–1947
18. राधेश्याम पटेल — छत्तीसगढ़ में कबीर पंथ
19. डिश्वर नाथ खुटे — बस्तर की राजनीतिक एवं प्रशासनिक व्यवस्था (1854 .1947)
20. आभा रूपेन्द्र पाल एवं डिश्वर नाथ खुटे — बस्तर : राजनीतिक ,सामाजिक एवं सांस्कृतिक इतिहास
21. **दिनेश नंदनी परिहार — दक्षिण कोशल का इतिहास**
22. **दिनेश नंदनी परिहार — छत्तीसगढ़ का सामाजिक आर्थिक इतिहास**

कार्यक्रम के परिणाम

क्षेत्रीय इतिहास एक महत्वपूर्ण उपकरण है, जिसके द्वारा मानव जाति द्वारा की गई प्रगति को मापने के लिए संभव है क्षेत्रीय इतिहास छत्तीसगढ़ ~~अधिक से~~ अधिक लोकप्रिय होता जा रहा है क्योंकि इसमें इतिहास के विभिन्न पहलुओं का अध्ययन करने के लिए विभिन्न प्रकार के स्रोतो का उपयोग करने की क्षमता विरासत में मिली है। इस पाठयक्रम में आधुनिक छत्तीसगढ़ राज्य के ब्रिटिश शासन का प्रभाव एवं राजनीतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक इतिहास का अध्ययन किया जायेगा।

14.7.22 14.7.22 14.7.202

एम.ए.पूर्व इतिहास, वार्षिक पद्धति, सत्र 2023–24
चतुर्थ प्रश्न पत्र (वैकल्पिक– अ)
ग्रेट ब्रिटेन का इतिहास (1815–1945 ई.)
(पेपर कोड – M.A.HIS-020135), प्रोग्राम कोड– M.A.HIS-0201

इकाई 1

1. 1815 से 1822 तक की आंतरिक समस्यायें
2. केसलरे और केनिंग की विदेश नीति
3. 1822 से 1830 तक इंग्लैण्ड की आतंरिक स्थिति
4. 1832 का सुधार अधिनियम

इकाई 2

5. ब्रिटेन में उदारवाद का उदय और विकास
6. चार्टिस्ट आंदोलन
7. ग्रेट ब्रिटेन की विदेश नीति (1830 से 1841)
8. सर राबर्ट पील

इकाई 3

9. ग्रेट ब्रिटेन और पूर्वी समस्या (1828 से 1856)
10. पामर्स्टन युग
11. नवीन टोरीवाद
12. 1867 एवं 1885 के संसदीय सुधार

इकाई 4

13. ग्लेड स्टोन
14. बेंजामिन डिजरायली
15. चेम्बरलेन का साम्राज्यवाद
16. ग्रेट ब्रिटेन की वैदेशिक नीति (1902–1914)

इकाई 5

17. ग्रेट ब्रिटेन और प्रथम विश्वयुद्ध
18. ग्रेट ब्रिटेन की गृह नीति (1919–1939)
19. ग्रेट ब्रिटेन की वैदेशिक नीति (1919–1939)
20. ग्रेट ब्रिटेन और द्वितीय विश्व युद्ध

अनुशंसित ग्रंथ सूची

1. J.A.R. Marriott - England since Waterloo
2. J.A.R. Marriott - Modern England
3. G.M. Trevelyan - Social History of England
4. Ramsay Muir - History of British Common Wealth (Vol. 2)
5. G.M. Trevelyan - England in the nineteenth century & after
7. एल.पी. शर्मा – इंग्लैण्ड का इतिहास
8. विद्याधर महाजन – इंगलैण्ड का इतिहास

कार्यकम के परिणाम

ग्रेट ब्रिटेन विश्व का एक प्रमुख देश है जिसमें अपनी साम्राज्यवादी नीतियों से पूरे विश्व को प्रभावित किया है। इस पाठ्यक्रम में 1815 तक ब्रिटेन में हुई आंतरिक समस्याएँ तथा उनकी नीतियों, संसदीय सुधार के साथ–साथ विदेशनीतियों और द्वितीय विश्वयुद्ध में उनका योगदान का अध्ययन किया जा सकेगा।

14.7.22 14.7.22. 14.7.2022

एम.ए.पूर्व इतिहास , वार्षिक पद्धति, सत्र 2023–24
चतुर्थ प्रश्न पत्र (वैकल्पिक–द)
भारतीय इतिहास में नारी
(पेपर कोड – M.A.HIS-020136), प्रोग्राम कोड– M.A.HIS-0201

इकाई 1

1. नारी अध्ययन की विचारधारा उदारवादी, समाजवादी, मार्क्सवादी, मनोवैज्ञानिक
2. नारी अध्ययन के स्त्रोत – ऐतिहासिक स्त्रोत
3. नारी अध्ययन गैर अभिलेखागारीय स्त्रोत
4. नारी अध्ययन का महत्व एवं उपयोगिता

इकाई 2

5. नारी की स्थिति वैदिक युग से राजपूत काल
6. बौद्ध एवं जैन धर्म में महिलाओं की स्थिति
7. इस्लाम एवं सिक्ख धर्म में महिलाओं की स्थिति
8. भक्ति आंदोलन और महिलाएं

इकाई 3

9. प्राचीन काल में महिला शिक्षा
10. मध्यकालीन भारत में महिला शिक्षा
11. औपनिवेशिक काल में महिला शिक्षा
12. स्वतंत्रोत्तर भारत में महिला शिक्षा

इकाई 4

13. मध्यकालीन राजनीति एवं महिलाएं
14. 19वीं. एवं 20वीं शताब्दी के नारी संगठन
15. भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन और महिलाएं
16. स्वतंत्रता के पश्चात् राजनीति और महिलाएं

इकाई 5

17. स्वतंत्रोत्तर भारत में महिलाओं की वैधानिक स्थिति
18. महिलाएं –कला, साहित्य, खेलकूद के क्षेत्र में
19. कामकाजी महिलाएं –स्वावलंबन एवं सशक्तिकरण
20. महिलाओं के प्रति हिंसा व अपराध तथा संवैधानिक प्रावधान

अनुसंशित ग्रंथ सूचीः–

1 कमलेश्वर प्रसाद – भारत का इतिहास 1,2,3
2 सुगम आनंद – भारतीय इतिहास में नारी
3. के.सी. श्रीवास्तव – प्राचीन भारत का इतिहास तथा संस्कृति
4. विपिन चंद्र – आजादी के बाद का भारत
5. रामधारी सिंह दिनकर – संस्कृति के चार अध्याय
6. पुरी, दास एवं चोपड़ा – भारत का सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक इतिहास
7. प्रताप सिंह – आधुनिक भारत का सामाजिक, आर्थिक, इतिहास
8. दिनेशचंद्र भारद्वाज – मध्यकालीन संस्कृति
9. ए. एल. श्रीवास्तव – मध्यकालीन संस्कृति

14.7.22

14.7.22

14.7.22

10.नीतू केंग – इंडियन वीमेन एक्टीविटिस
11.सी.एन. मंगल एवं
यशोदा भट्ट – बीयांड द थ्रेस होल्ड इंडियन वीमेन आन द मुव्ह
12.कौरोलिय एम बायर्ली और कारेन रास – महिलायें और संचार माध्यम

कार्यक्रम के परिणाम

नारी अध्ययन भारतीय इतिहास का एक माहत्वपूर्ण विषय है। इस पाठ्यक्रम से नारी अध्ययन से संबंधित स्रोत्रो, विभिन्न विचार धाराएँ की जानकारी प्राप्त होगी इसमें प्रचीनकाल से लेकर मध्यकाल में महिलाओं की सामाजिक, राजनैतिक स्थितियों का ध्ययन किया जायेगा।

14.7.22. 14.7.2022

14.7.22

एम.ए.अंतिम इतिहास
वार्षिक पद्धति
सत्र 2024–25

नोटः– एम.ए. (अंतिम) में परीक्षार्थियों को निम्नलिखित खण्ड ब, एवं स, में से कोई दो प्रश्न पत्र चयनित करना होगा तथा नीचे दिए गए तीन वैकल्पिक प्रश्नपत्रों में से कोई भी दो वैकल्पिक प्रश्नपत्रो का चयन करना होगा। प्रत्येक प्रश्नपत्र 100–100 अंकों के होंगे।

कम प्रश्न पत्र	प्रश्नपत्र का नाम	पेपर कोड	प्रोग्राम कोड	पूर्णांक
	खण्ड ''ब'' मध्यकालीन भारत			
1. प्रथम प्रश्नपत्र	मध्यकालीन भारतीय राजनय एवं अर्थव्यवस्था (1200 से 1750 ई तक)	(M.A.HIS-020137)	M.A.HIS-0201	100
2. द्वितीय प्रश्नपत्र	मध्यकालीन समाज एवं संस्कृति (1200 से 1750 ई. तक)	(M.A.HIS-020138)	M.A.HIS-0201	100
	खण्ड ''स'' आधुनिक भारत			
1. प्रथम प्रश्नपत्र	आधुनिक भारत (1757ई. से 1857ई. तक)	(M.A.HIS-020139)	M.A.HIS-0201	100
2. द्वितीय प्रश्नपत्र	आधुनिक भारत (1857ई. से 1964ई. तक)	(M.A.HIS-020140)	M.A.HIS-0201	100
	वैकल्पिक प्रश्नपत्र			
1. वैकल्पिक प्रश्नपत्र	भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन का इतिहास (1882 ई. से 1947 ई. तक)	(M.A.HIS-020141)	M.A.HIS-0201	100
2. वैकल्पिक प्रश्नपत्र	भारत का सांस्कृतिक इतिहास – प्रारंभ से 1950 ई. तक	(M.A.HIS-020142)	M.A.HIS-0201	100
3.. वैकल्पिक प्रश्नपत्र	पर्यटन सिद्धांत एवं व्यवहार (इतिहास से संदर्भ तक)	(M.A.HIS-020143)	M.A.HIS-0201	100

14.7.22

14.7.22.

14.7.2022

एम.ए.अंतिम इतिहास, वार्शिक पद्धति,सत्र 2024–25
(खंड–ब) मध्यकालीन भारत
प्रथम प्रश्न पत्र
मध्यकालीन भारतीय राजनय एवं अर्थव्यवस्था (1200 से 1750 ई.)
(पेपर कोड– M.A.HIS-020137) प्रोग्राम कोड– M.A.HIS-0201

इकाई–1

1. सल्तनत कालीन इतिहास के स्त्रोत
2. मुगल कालीन इतिहास के स्त्रोत
3. मध्यकालीन स्थापत्य व शिल्पकला
4. मराठाकालीन इतिहास के स्त्रोत

इकाई–2

5. सल्तनत कालीन राजनय का स्वरूप एवं राजत्व सिद्धांत
6. मुगल कालीन राजनय – दैवीय अधिकार सिद्धांत
7. केन्द्रीय प्रशासन – सल्तनत कालीन, मुगलकालीन
8. प्रांतीय व्यवस्था – इक्ता, अमरम, मनसब व जागीर

इकाई–3

9. सल्तनतकाल में सुल्तान एवं अमीरों के बीच संघर्ष
10. सल्तनत कालीन क्षेत्रीय राज्य
11. मुगलकालीन दरबारी राजनीति, संघर्ष, दक्खन के मुस्लिम राज्यों का प्रतिरोध
12. मराठा राज्य की स्थापना तथा विकास एवं शिवाजी का प्रशासन

इकाई–4

13. मध्यकालीन कृषि अर्थव्यवस्था एवं भूराजस्व व्यवस्था
14. शिल्प व उद्योग
15. आंतरिक व्यापार
16. विदेशी व्यापार

इकाई–5

17. नगरों का उदय एवं विकास– जनांनिकी परिवर्तन, नगरीय प्रशासन
18. मध्यकालीन मुद्राएं एवं बैकिंग
19. नए व्यापारिक वर्गो का उदय
20. कृषि एवं उद्योग में तकनीकी परविर्तन

टीपः–संशोधन– इकाई–1 1.4– मराठा इतिहास के स्त्रोत **इकाई–2.5.**–सल्तनत कालीन राजनय का स्वरूप एवं राजत्व सिद्धांत, **इकाई–3**.12.– मराठा राज्य की स्थापना तथा विकास एवं शिवाजी का प्रशासन, **इकाई–4**.13.–मध्यकालीन कृषि अर्थव्यवस्था एवं भूराजस्व व्यवस्था, **इकाई–5**.17.– नगरों का उदय एवं विकास– जनांनिकी परिवर्तन, नगरीय प्रशासन.

14.7.22 14.7.22 14.7.202

अनुसंशित ग्रंथ सूची–

1. सल्तनतकालीन भारत – ए.एल. श्रीवास्तव
2. मध्यकालीन भारत – एल.पी. शर्मा
3. मध्यकालीन भारत (भाग एक) – हरिशचंद्र वर्मा
4. मध्यकालीन भारत (भाग दो) – हरिशचंद्र वर्मा
5. मध्यकालीन संस्कृति – ए.एल. श्रीवास्तव
6. संस्कृति के चार अध्याय – रामधारी सिंह दिनकर
7. सुफीज्म – राजबली पांडे
8. मध्यकालीन भारतीय इतिहास – बी.के. पंजाबी
9. भारत का समाजिक, आर्थिक, तथा सांस्कृतिक इतिहास (भाग–2) – पुरी, दास, चोपड़ा
10. मध्यकालीन इतिहासकार – हेरम्ब चतुर्वेदी

कार्यकम के परिणाम

मध्यकालीन भारत का इतिहास काल और भाषा, संस्कृति ओर धर्म के क्षेत्र में हुए विकास के कारण भारत के इतिहास में एक महत्वपूर्ण अवधि है। साथ ही इस अवधि ने भारतीय संस्कृति पर अन्य धर्मो के प्रभाव को देखा है। मध्यकाल की शुरूआत में राजपूत काल में उदय से चिन्हित है। इस पाठ्कम में सल्तनत कालीन भारत की राजनीतिक व आर्थिक क्षेत्रों का अध्ययन किया जायेगा।

14-7-22 14.7.22. 14-7-2022

एम.ए.अंतिम इतिहास, वार्षिक पद्धति, सत्र 2024–25
(खंड–ब) द्वितीय प्रश्न पत्र
मध्यकालीन समाज एवं संस्कृति (1200–1750 ई. तक)
(पेपर कोड– M.A.HIS-020138), प्रोग्राम कोड– M.A.HIS-0201

इकाई–1

1. मध्यकालीन ग्रामीण समाज– संगठन एवं परिवर्तन
2. मध्यकालीन नगरीय समाज – नए सामाजिक वर्गो का अंतर्राम्प्रादायिक संबंध
3. मध्यकालीन स्त्रियों की दशा
4. मध्यकालीन सामाजिक जीवन

इकाई–2

6. भक्तिआंदोलन– कबीर व नानक
7. भक्तिआंदोलन – कृष्ण भक्तितथा राम भक्ति
8. भक्तिआंदोलन की क्षेत्रीय विशेषताएं
9. सूफीवाद सिद्धांत व व्यवहार, सूफी सिलसिले

इकाई–3

9. सल्तनकालीन स्थापत्य
10. मुगलकालीन स्थापत्य
11. क्षेत्रीय स्थापत्य – विजय नगर, बहमनी, जौनपुर, गुजरात, मालवा, राजपुताना
12. मध्यकाल में चित्रकला, संगीत व नृत्य

इकाई–4

13. फारसी भाषा एवं साहित्य
14. हिन्दी साहित्य का विकास
15. संस्कृत साहित्य का विकास
16. क्षेत्रीय साहित्य का विकास

इकाई–5

17. मध्यकालीन भारतीय समाज में शासक वर्गो की भूमिका
18. धार्मिक एवं साम्प्रदायिक समुदायों का प्रादुर्भाव
19. भारतीय सभ्यता पर इस्लामिक प्रभाव
20. समन्वयवादी संस्कृति का विकास

टीपः–संशोधन – इकाई–1 1.1.– मध्यकालीन ग्रामीण समाज– संगठन एवं परिवर्तन
1.2.–मध्यकालीन नगरीय समाज–नए सामाजिक वर्गो का अंतर्सम्प्रादायिक संबंध,

अनुसूचित ग्रंथ सूची –

1. सल्तनतकालीन भारत – ए.एल. श्रीवास्तव
2. मध्यकालीन भारत – एल.पी. शर्मा
3. मध्यकालीन भारत (भाग एक) – हरिशचन्द्र वर्मा
4. मध्यकालीन भारत (खंड दो) – हरिशचन्द्र वर्मा
5. मध्यकालीन संस्कृति – ए.एल. श्रीवास्तव
6. संस्कृति के चार अध्याय – रामधारी सिंह दिनकर
7. सुफीज्म – राजबली पांडे
8. मध्यकालीन भारतीय इतिहास – बी.के. पंजाबी
9. भारत का सामाजिक, आर्थिक तथा सांस्कृतिक इतिहास (भाग–2) – पुरी, दास, चोपड़ा

14.7.22 14.7.2022 14.7.22.

कार्यक्रम के परिणाम

मध्यकालीन भारत का इतिहास काल और भाषा, संस्कृति ओर धर्म के क्षेत्र में हुए विकास के कारण भारत के इतिहास में एक महत्वपूर्ण अवधि है। साथ ही इस अवधि ने भारतीय संस्कृति पर अन्य धर्मो के प्रभाव को देखा है। मध्यकाल की शुरूआत में राजपूत काल में उदय से चिन्हित है। इस पाठ्क्रम में मध्यकालीन भारत की 1200 से 1750 तक के सामाजिक व सांस्कृतिक पक्षों का अध्ययन किया जायेगा।

14.7.22

14.7.22

14.7.2022

एम.ए.अंतिम इतिहास, वार्षिक पद्धति, सत्र 2024–25
(खंड–स) आधुनिक भारत
प्रथम प्रश्न पत्र
आधुनिक भारत (1757 ई. से 1857 ई.)
(पेपर कोड– M.A.HIS-020139) प्रोग्राम कोड– M.A.HIS-0201

इकाई–1

1. आधुनिक भारतीय इतिहास के स्त्रोत
2. आधुनिक भारतीय इतिहास लेखन की विभिन्न विचार धाराएँ
3. पूर्व उपनिवेशवादी भारत की राजनीतिक व्यवस्था
4. पूर्व उपनिवेशवादी भारत की सामाजिक एवं सांस्कृतिक व्यवस्था

इकाई–2

5. भारत में यूरोपियों का आगमन
6. यूरोपीय वाणिज्यवाद की विचार धाराएं एवं कार्यक्रम – ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के संदर्भ
7. कंपनी के अधीन ब्रिटिश साम्राज्य का विस्तार – नीतियां, युद्ध व कूटनीति
8. कंपनी के अधीन कृषि एवं भू–राजस्व व्यवस्था

इकाई–3

9. प्रशासनिक विचार धाराएं – प्राच्यवादी, आंग्लवादी, उपयोगितावादी
10. कंपनी के अधीन प्रशासकीय व्यवस्था तथा संवैधानिक विकास
11. कंपनी प्रशासन के अंतर्गत लोकसेवा, न्याय व्यवस्था एवं पुलिस
12. शैक्षिक विकास (कम्पनी शासन के अंतर्गत)

इकाई–4

13. सामाजिक पुर्नजागरण व परिस्थितियां
14. समन्वयवादी समाज सुधार आंदोलन बंगाल एवं महाराष्ट्र के संदर्भ में
15. प्रतिक्रियावाद – बहावी आंदोलन
16. उपनिवेशवाद का प्रतिरोध – जनजातीय एवं कृषक आंदोलन कृषि एवं भूराजस्व व्यवस्था

इकाई–5

17. 1857 के पूर्व भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था में परिवर्तन
18. नगरी अर्थव्यवस्था – हस्तशिल्प उद्योगों की स्थिति
19. 1857 का विद्रोह – विचार धाराएं, कार्यक्रम, नेतृत्व एवं ब्रिटिश प्रतिक्रिया
20. आंतरिक एवं विदेशी व्यापार में परिवर्तन

टीपः– संशोधन–इकाई 1.3– पूर्व उपनिवेशवादी भारत की राजनीतिक व्यवस्था
समायोजन – 1.3 आर्थिक व्यवस्था 1.4 में समायोजित

14.7.2022

14.7.22

14.7.22

अनुसंशित ग्रंथ सूची –

1. ब्रिटीश भारत का आर्थिक इतिहास – रमेश चंद्रदत्त
2. आधुनिक भारत – एल.पी. शर्मा
3. भारत में अंगेजीराज – पं. सुन्दरलाल
4. भारतीय स्वतंत्रता का इतिहास (1857–1947) – विपिन चंद्र
5. भारतीय राष्ट्रवाद की सामाजिक पृष्ठभूमि – ए.आर. देसाई
6. इंडिया टुडे – रजनी पाम दत्त
7. इंडियन सोसायटी इन दी एट्टीन सेंचुरी – बी.पी. रघुवंशी
8. आधुनिक भारत का इतिहास एवं नवीन मूल्यांकन (1707–1968) – बी.एल. ग्रोवर एवं यशपाल
9. मेकिंग ऑफ माडर्न इंडिया – एस.आर. शर्मा
10. आधुनिक भारत – सुमित सरकार
11. भारत का राष्ट्रीय आंदोलन एवं सवैधानिक विकास – एस.एल. नागोरी
12. आधुनिक भारत का इतिहास – एम.एस. जैन
13. आधुनिक भारत, 3 खंड – प्रतापसिंह
14. आधुनिक भारत का सामाजिक, आर्थिक इतिहास – प्रतापसिंह
15. सोसल एंड इकानॉमिक हिस्ट्री ऑफ माडर्न इंडिया – एस.पी. नायर
16. आधुनिक भारत का आर्थिक इतिहास –एग्नेश ठाकुर
17. भारतीय संस्कृति एवं ब्रिटिश उपनिवेशवाद – सीमा पाल

कार्यकम के परिणाम

आधुनिक भारत के इतिहास को औपनिवेशिक काल के रूप में भी जाना जाता है, इसअवधि के दोरान अग्रेजो ने हमारे देश का काफी हद तक शोषण किया था। यह काल हमारे पारंपरिक समाज का आधुनिक समाज में बदल देता है। 18 वीं सदी में अग्रेजों ने सभी को परास्त कर भार में अपना साम्राज्य स्थापित किया। अंग्रेजो ने देश में सामाजिक राजनीतिक और आर्थिक जीवन में कांतिकारी परिवर्तन किया। प्रशासनिक परिवर्तनों से देशमें अनक स्थानों पर जनजातीय और कृषकक विद्रोह भी हुए लेकिन कुछ समय के बाद देश में परिवर्तन की लहर से अंग्रजी शासन के खिलाफ 1857 की कांति शुरू हुए। इस पाठ्यकम में इन सारे क्षेत्रों 1757 से 1857 तक का अध्ययन किया जायेगा।

14-7-22 14.7.22. 14-7-22

एम.ए.अंतिम इतिहास, वार्षिक पद्धति, सत्र 2024–25
(खंड–स) द्वितीय प्रश्न पत्र
आधुनिक भारत (1858–1964 ई.)
(पेपर कोड– M.A.HIS-020140), प्रोग्राम कोड– M.A.HIS-0201

इकाई–1

1.प्रशासनिक परिवर्तन – संवैधानिक सुधारों के संदर्भ में
2. प्रशासनिक ढांचा – लोकसेवा, न्याय व्यवस्था तथा पुलिस सेवा के संदर्भ में
3. देशी रियासतों के साथ संबंध – नीतिगत विस्तार
4. पड़ोसी राज्यों से संबंध – नीतियां एवं कार्यक्रम – अफगानिस्तान, नेपाल, फारस, तथा वर्मा के संदर्भ

इकाई–2

5. आर्य समाज व थियोसोफिकल सोसायटी, प्रार्थना समाज, रामकृष्ण मिशन
6. भारतीय मुसलमानों का ब्रिटिश राज के साथ सहयोग एवं अलीगढ़ आंदोलन
7. ब्रिटिश शासन काल में नारी उत्थान के प्रयास
8. आधुनिक शिक्षा का विकास

इकाई–3

9. यातायात एवं संचार के साधनों का विकास
10. आधुनिक उद्योगों का विकास
11. भारतीय कृषि का वाणिज्यीकरण
12. भारत से धन निर्गमन

इकाई–4

13. भारतीय राष्ट्रवाद का उदय – अवधारणाएं एवं गतिविधियां
14. 1919 तक संगठित राष्ट्रवाद की प्रवृत्तियां
15. कृषक, श्रमिक एवं कांतिकारी आंदोलन
16. गांधीवादी आंदोलन – विचारधारा, स्वरूप, कार्यक्रम

इकाई–5

17. भारतीय रियासतों का विलीनीकरण
18. नियोजित अर्थ व्यवस्था – पंचवर्षीय योजनाएं
19. भूमिसुधार, स्वास्थ एवं तकनीकी विकास
20. भारत की विदेश नीति – गुट निरपेक्ष

14.7.22 14.7.22. 14-7-22

अनुसंशित ग्रंथ सूचीः–

1. ब्रिटिश भारत का आर्थिक इतिहास – रमेश चंद्रदत्त
2. आधुनिक भारत का इतिहास (एक नवीन मूल्यांकन) (1707 से 1964 तक) – बी.एल. ग्रोवर तथा यशपाल
3. आधुनिक भारत – एल.पी. शर्मा
4. मेकिंग ऑफ माडर्न इंडिया – एस.आर. शर्मा
5. द सेंट्रल एडमिनिस्ट्रेशन इस्ट इंडिया कंपनी – बी.बी. मिश्रा
6. भारत में अंग्रेजीराज – पं. सुन्दरलाल
7. इकानोमिक हिस्ट्री ऑफ इंडिया – आर.सी. दत्त
8. भारतीय राष्ट्रवाद की सामाजिक पृष्ठभूमि – ए.आर. देसाई
9. भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का इतिहास (185701947) – विपिन चंद्र
10. आजादी के बाद का भारत (1947–2000) – विपिन चंद्र
11. सोसल कल्चरल एंड इकोनामिक हिस्ट्री ऑफ इंडिया – एच. राय चौधरी
12. कैमब्रिज हिस्ट्री ऑफ इंडिया
13. कैमब्रिज इकानोमिकल हिस्ट्री ऑफ इंडिया
14. भारत का सामाजिक, सांस्कृतिक एवं आर्थिक इतिहास (खंड–3) –पुरी, दास, चोपड़ा
15. आधुनिक भारत – सुमित सरकार
16. आधुनिक भारत का इतिहास – एम.एस. जैन
17. आधुनिक भारत का सामाजिक, आर्थिक इतिहास – प्रतापसिंह
18. आधुनिक भारत, 3 खंड – प्रतापसिंह
19. सोसल एंड इकानॉमिक हिस्ट्री ऑफ माडर्न इंडिया – एस.पी. नायडू
20. फ्रीडम स्ट्रगल – कमलेश्वर राय
21. भारतीय संस्कृति और ब्रिटिश उपनिवेशवाद – सीमा पाल

कार्यकम के परिणाम

भारत में ब्रिटिश साम्राज्य की स्थापना के बाद राजनीतिक एवं प्रशासनिक क्षेत्र में अनक परिवचर्तन किय गये। 1858 कके बाद प्रशासन में अनेक संवैधनिक सुधर हेतु अधिनियम बनाये गये। कानून व्यवस्था और लोक सेवओं पर व्यापक प्रभाव पड़ा । भारत के पड़ोसी देशो से संबंध प्रभावित हुए। इस अवधि में भारत में राष्ट्रवाद का उदय हुआ अनेक आन्दोलन प्रारंभ हुए, 1947 मे देश आजाद हुआ तति स्वतंत्र भार का संविधन 1950 में लागू किया गया। भारत की विदेश नीति में परिवर्तन हुआ, इन सभी का 1858 से 1964 तक का विस्तृत अध्ययन इस पाठ्यकम में किया जा सकेगा।

14.7.22 14.7.22 14.7.22

एम.ए.अंतिम इतिहास, वार्षिक पद्धति, सत्र 2024–25
वैकल्पिक –1
भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन का इतिहास (1885–1947 ई.)
(पेपर कोड– M.A.HIS-020141) प्रोग्राम कोड– M.A.HIS-0201

इकाई –1

1. भारतीय राष्ट्रवाद की वैचारिक पृष्ठभूमि
2. कांग्रेस के पूर्व राजनीतिक संगठन
3. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना, स्थापना से संबंधित विभिन्न विचारधाराएं
4. कांग्रेस में उदारवाद – उग्रवाद संघर्ष

इकाई –2

5. स्वदेशी आंदोलन
6. क्रांतिकारी आंदोलन – प्रथम चरण – बंगाल,महाराष्ट्र, पंजाब
7. होमरूल आंदोलन
8. क्रांतिकारी आंदोलन – द्वितीय चरण – हिन्दुस्तान रिपब्लिक आर्मी, संयुक्त प्रांत एवं बंगाल

इकाई –3

9. गांधीवादी आंदोलन – असहयोग आंदोलन
10. गांधीवादी आंदोलन – सविनय अवज्ञा आंदोलन
11. गांधीवादी आंदोलन – व्यक्तिगत सत्याग्रह
12. गांधीवादी आंदोलन – भारत छोड़ो आंदोलन

इकाई –4

13. भारतीय राजनीति में वामपंथी विचारधारा
14. भारतीय राजनीति में साम्प्रदायवाद
15. कृषक, श्रमिक एवं जनजातीय आंदोलन
16. भारतीय रियासतों में स्वाधीनता आंदोलन

इकाई –5

17. प्रांतीय स्वायत्तता का कियान्वयन
18. राजनीतिक गतिरोध – 1940–45
19. सुभाष चंद्र बोस एवं आजाद हिन्द फौज
20. अंतरिम सरकार से स्वाधीनता आंदोलन तक भारत

टीपः–

संशोधित इकाई 2..6– कांतिकारी आंदोलन प्रथम चरण – बंगाल, महाराष्ट्र, पंजाब,

2.8–कांतिकारी आंदोलन द्वितीय चरण –हिन्दुस्तान रिपब्लिक आर्मी, संयुक्त प्रांत एवं बंगाल

इकाई 4.16.–भारतीय रियासतों में स्वाधीनता आंदोलन

इकाई 5.20–अंतरिम सरकार से सवाधीनता आंदोलन तक

14-7-22 14-7-22 14.7.22

अनुसंशित ग्रंथ सूचीः–

1. ब्रिटिश भारत का आर्थक इतिहास – आर.सी. दत्त
2. आधुनिक भारत का नवीन मूल्यांकन – बी.एल. ग्रोवर
3. आधुनिक भारत – एल.पी. शर्मा
4. इंडियन नेशनल मूवमेन्ट एंड द लिबरन – आभा सक्सेना
5. आधुनिक भारत – विपिन चंद्रा
6. आजादी के बाद का राज – पं. सुन्दरलाल
8. भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का इतिहास – विपिन चंद्र
9. फ्रीडम स्ट्रगल – कमलेश्वर राय
10. आधुनिक भारत – सुमित सरकार
11. भारतीय स्वाधीनता आंदोलन का इतिहास – ताराचंद
12. भारतीय राष्ट्रीयता का विकास – बी. एन. लूनिया

कार्यकम के परिणाम

भारतीय राष्ट्रीय आन्दोन का इतिहास आधुनिक कांतियों जितना ही प्रासंगिक और महत्वपूर्ण है जिसका मकसद मौजुदा राजनीतिक और सामाजिक संस्कृति को बदलना और समानता पर आधारित एक नई राजनीतिक सामाजिक व आर्थिक व्यवस्था, कानून का शासन और लोकतांत्रिक व्यवस्था स्थापित करना था। इस अवधि में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना तथा अनेक संगठनों के द्वारा भारत की आजादी के लिए संघर्ष प्रारंभ हुए। महात्मा गॉधी के नेतृत्व में अनेक आंदोलन हुए, कांतिकारियों ने ब्रिटिश साम्राज्य की नींव हिला दी, जनता ने इनका साथ दिया विदेश में आजाद हिन्द फौज के द्वारा सुभाष चंद्र बोस ने देशवासियों में अभूतपूर्व जोश दिलाया। सभी के प्रयास से देश 1947 में आजाद हुआ तथा भारत और पाकिस्तान में विभाजन हो गया। इस सभी का 1885 से 1947 तक इस पाठ्यकम में अध्ययन किया जायेगा।

14.7.22

14.7.22

14.7.22.

एम.ए.अंतिम इतिहास, वार्षिक पद्धति, सत्र 2024–25
वैकल्पिक–2
भारत का सांस्कृतिक इतिहास–प्रारंभ से 1950 ई.तक
(पेपर कोड– M.A.HIS-020142), प्रोग्राम कोड– M.A.HIS-0201

इकाई–1

1. हड़प्पा कालीन संस्कृति
2. वैदिक कालीन संस्कृति
3. मौर्यकालीन संस्कृति
4. भारतीय संस्कृति में अशोक का योगदान

इकाई–2

5. भारतीय संस्कृति पर यूनानी, शक, कुषाण प्रभाव
6. गुप्तकालीन संस्कृति
7. राजपूत कालीन संस्कृति
8. पूर्व मध्यकालीन संस्कृति एवं ब्राम्हणवाद

इकाई–3

9. इण्डो–इस्लामिक संस्कृति
10. भक्ति- आंदोलन
11. सूफीवाद
12. भारतीय संस्कृति में अकबर का योगदान

इकाई–4

13. यूरोपियों का भारत आगमन एवं भारतीय संस्कृति पर उनका प्रभाव
14. भारतीय संस्कृति एवं मिशनरियों का योगदान
15. भारतीय संस्कृति पर पश्चात्य प्रभाव
16. भारतीय संस्कृति के विकास में प्राच्यवाद की भूमिका

इकाई–5

17. राजाराम मोहनराय एवं समन्वयवादी आंदोलन,
18. आर्य समाज एवं थियोसोफिकल सोसायटी
19. मुस्लिम समाज सुधार और भारतीय संस्कृति
20. रामकृष्ण मिशन एवं स्वामी विवेकानंद
21. भारतीय संस्कृति एवं गॉधी जी

टीपः–

संशोधन – (जोड़ा गया) इकाई 5.20 रामकृष्ण मिशन एवं स्वामी विवेकानंद

14.7.22

14.7.22

14.7.22.

अनुसंशित ग्रंथ सूचीः–

1. सिंधु सभ्यता – जयनारायण पांडे
2. प्राचीन भारत का इतिहास तथा संस्कृति – डॉ.के.सी. श्रीवास्तव
3. भारत का प्राचिन इतिहास – डॉ. कमलेश्वर प्रसाद
4. मध्यकालीन भारत (खंड–1 व खंड–2) – हरिशचंद्र वर्मा
5. सल्तनत कालीन भारत – डॉ. ए.एल. श्रीवास्तव
6. आधुनिक भारत का इतिहास – एक नवीन मूल्यांकन – ग्रोवर एवं यशपाल
7. आधुनिक भारत – विपिन चंद्र
8. संस्कृति के चार अध्याय – रामधारी सिंह दिनकर
9. आधुनिक भारत – एल.पी. शर्मा
10. अद्‌भुद भारत – ए.एल. बाशम
11. भारत का सामाजिक, सांस्कृतिक एवं आर्थिक इतिहास – पुरी, दास, चोपड़ा
12. मध्यकालीन संस्कृति – आशीर्वादी लाल श्रीवास्तव
13. दिल्ली सल्तनत – आर.पी. त्रिपाठी
14. भारतीय संस्कृति का विकास – बी.एन. लूनिया
15. भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति – बी.एन. लूनिया

कार्यक्रम के परिणाम

इस पाठ्यक्रम द्वारा भारत की सांस्कृतिक इतिहास प्रारंभ से आधुनिक काल तक अध्ययन किया जा सकेगां। इसमें प्राचीनकाल, मध्यकाल एवं आधुनिक काल की सामाज एवं सांस्कृतिक दशा के साथ–साथ धर्म कला विज्ञान एवं साहित्य तथा भारत में यूरोपीय संस्कृति का प्रभाव को साथ–साथ धार्मिक सुधार आन्दोलन के साथ ही ब्रिटिश भारत में महिलाओं की स्थिति तथा शिक्षा का विकास की जानकारियॉ प्राप्त हो सकेगी।

14.7.22 14.7.22 14.7.22

एम.ए.अंतिम इतिहास ,वार्षिक पद्धति, सत्र 2024–25
वैकल्पिक–3
पर्यटन सिद्धांत एवं व्यवहार, (इतिहास के संदर्भ म)
(पेपर कोड– M.A.HIS-020143) प्रोग्राम कोड– M.A.HIS-0201

इकाई–1

1. पर्यटन का अर्थ, परिभाषा, उद्देश्य एवं महत्व
2. पर्यटन सिद्धांत एवं व्यवहार
3. भारतीय पर्यटन संगठन केन्द्रीय
4. प्रांतीय पर्यटन संगठन एवं विभाग

इकाई–2

5. ट्रेवल एजेंसी–गठन, कार्य
6. पर्यटन एवं यातायात
7. पर्यटन एवं आवास तथा होटल उद्योग
8. अंतराष्ट्रीय पर्यटन, पासपोर्ट, वीसा, सुविधाएं एवं समस्याएं

इकाई–3

9. पर्यटन एवं कला, संस्कृति, मेले, त्योहार एवं हस्तकला, उद्योग
10. पर्यटन का इतिहास से संबंध
11. पर्यटन उद्योग, विपणन एवं पर्यटन
12. पर्यटन विकास के कारक

इकाई–4

13. पर्यटन में राष्ट्रीय उद्यानों का महत्व एवं भारत के प्रमुख राष्ट्रीय उद्यानो
14. छत्तीसगढ़ के प्रमुख राष्ट्रीय उद्यान एवं अभ्यारण
15. उत्तर, एवं दक्षिण भारत में प्रमुख ऐतिहासिक, प्राकृतिक एवं धार्मिक पर्यटन स्थल
16. पूर्व एवं पश्चिम भारत के प्रमुख ऐतिहासिक प्राकृतिक एवं धार्मिक पर्यटन स्थल

इकाई –5

17. छत्तीसगढ़ के प्रमुख ऐतिहासिक पर्यटन स्थल
18. छत्तीसगढ़ के प्रमुख धार्मिक पर्यटन स्थल
19. छत्तीसगढ़ के प्रमुख प्राकृतिक पर्यटन स्थल
20. छत्तीसगढ़ में पर्यटन की सुविधाएं एवं समस्याएँ।

अनुसंशित ग्रंथ सूची–

1. जगमोहन नेगी – राष्ट्रीय संस्कृति, संपदा सांस्कृतिक एवं पर्यटन
2. रामआचर्य – टूरिज्म एवं क्लचर हेरीटेज आफ इंडिया
3. ताज रावत – पर्यटन का प्रभाव एवं प्रबंधक
4. शिवाकांत वाजपेयी – सिरपुर पुरातत्व एवं पर्यटन
5. पर्यटन विभाग – भारत शासन एवं छत्तीसगढ़ शासन द्वारा प्रकाशित सामग्री

कार्यक्रम के परिणाम

भारत एक आकर्षक देश है और यहॉ विभिन्न प्र्यटन स्थल आकर्षन है। इसमें विभिन्न प्रकार के धर्म, संस्कृति, भाषा एवं ऐतिहासिक तथा प्राकृतिक स्थल आदि समाहित है। भारत की समृद्ध संस्कृति और परम्परा विश्व भर में प्रसिद्ध है। भारत में देश विदेश से प्र्यटक आते है। भारत सरकार द्वारा पर्यटन के क्षेत्र में अनेक विकास योजनाएँ संचालित होती है। छत्तीसगढ़ राज्य भी पर्यटकों को आकर्षित करता रहा है। भारत के साथ ही छत्तीसगढ़ में अनेक प्रमुख ऐतिहासक, प्राकृतिक एवं धार्मिक पर्यटन स्थल है। पर्यटक को बढ़ावा देने के लिए केन्द्र और राज्य सरकार द्वारा अनेक कार्य योजना शुरू की गई। इनका अध्ययन इस पाठ्यक्रम के माध्यम से किया जायेगा।

14.7.22 14.7.22 14.7.22